केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 118 गुरूवार 21 नवम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

आईएमए की लंबित मांगों पर सरकार की मुहर, पर प्रसन्नता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। इंडियन मेडिकल एसोसियशन उ.प्र. की लंबित मांगों को जैसे ही सरकार ने स्वीकार किया वैसे ही जिले के प्रांत पदाधिकारियों में हर्ष का माहौल हो गया। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अनिल श्रीवास्तव ने बताया कि विगत छह वर्षों से की जा रही मांगों को शासन ने स्वीकार कर लिया है। इससे काफी सहूलियत मिलेगी। पूर्व अध्यक्ष आईएमए बस्ती डॉ. नवीन कुमार, सचिव डॉ. एनके चौधरी, कोषाध्यक्ष डॉ. पीके श्रीवास्तव एवं समस्त बस्ती आईएमए सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया गया। उल्लेखनीय है कि इंडियन मेडिकल एसोसियशन की ओर से निरंतर छह वर्षों से 50 शैय्या से कम अस्पतालों/नर्सिंग होम एवं चिकित्सा प्रतिष्ठानों को क्लीनिकल इसटेबलिशमेंट एक्ट से मुक्त रखने एवं प्रत्येक वर्ष होने वाले सीएमओ रजिस्ट्रेशन को हटा कर चार वर्ष पर किए जाने की मांग की जा रही थी।

उक्त मांगों को सरकार द्वारा स्वीकृत किये जाने पर सभी ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया है। एसोसियशन ने यह विश्वास दिलाया कि सरकार द्वारा प्राप्त निर्देशों का पालन होगा।

यात्री छाजन से बुजुर्ग का शव बरामद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कलवारी थानाक्षेत्र के कलवारी मुस्तहकम गांव के पास बने यात्री छाजन में सुबह एक बुजुर्ग का शव पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पहचान का प्रयास शुरू किया। दोपहर बाद मृतक की शिनाख्त त्रिभुवन पांडेय निवासी कलवारी मुस्तहकम के रूप में हुई। प्रभारी थानाध्यक्ष ने विध्यांचल प्रसाद ने बताया कि जब शव कब्जे में लिया गया तब उनकी पहचान नहीं हो सकी थी। कुछ लोगों ने बताया कि मृतक कलवारी के ही रहने वाले है उनका नाम त्रिभुवन पांडेय है। पूछताछ में पता चला कि उनके परिवार के सभी सदस्य अपनी पैतृक संपत्ति बेचकर बहुत पहले ही गांव छोड़ कर चले गये थे। वे सब कहां है, इसकी कोई जानकारी नही है। त्रिभुवन अविवाहित थे। घर पर कुछ नहीं बचने के कारण आसपास के बाजारों में चाय की दुकानों पर दिन में कार्य में मदद कर वहीं खा पीकर सो जाते थे। इसी तरह उनकी दिनचर्या रहती थी। एक जगह वे ज्यादा दिन तक नहीं रहते थे। चार पांच दिनों से यात्री छाजन के आस पास उन्हें देखा जा रहा था। पुलिस ने शव को कब्जे में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

ठेकेदार की जर्जर दीवार के मलबे में दबकर मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लालगंज थानाक्षेत्र के ककरौली गांव में ठेका पर जर्जर दीवार गिराने का काम करते वक्त दोपहर एक व्यक्ति मलबे के नीचे दब गया। जब तक उसे बाहर निकाला जाता, गंभीर चोट आने के कारण मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही मृतक के परिजन मौके पर पहुंच गए। शव को अपने घर लेकर चले गए। बताया जा रहा है कि थानाक्षेत्र के चित्रासोर निवासी अशर्फी (60) पुत्र रामनिवास ने ककरौली गांव के बबून्ने पाल के पुराने घर को ढहाने का ठेका लिया था।

किसान सम्मान निधि के लिये फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य

बस्ती। किसान सम्मान निधि प्राप्त करने के लिये किसानों को अपनी फार्मर रजिस्ट्री तैयार करने हेतु शासन द्वारा अनिवार्य कर दिया गया हैं। उक्त जानकारी देते हुए संयुक्त निदेशक कृषि ए.सी. तिवारी ने बताया कि फार्मर रजिस्ट्री में कृषक व उसके पिता का नाम, उसके स्वामित्व वाले सभी गाटा सं0, सहखातेदार होने की स्थिति में गाटा में किसान का अंश, मोबाइल नम्बर, आधार कार्ड संख्या एवं ई.– के.वाई.सी. का विवरण दर्ज किया जायेगा। फार्मर रजिस्ट्री तैयार होने के बाद उन्हें सिर्फ पी0एम0 किसान सम्मान निधि ही नहीं, बल्कि के0सी0सी0, फसल बीमा, एम0एस0पी0, जैसी योजनाओं का भी लाभ प्राप्त होगा।

एग्जिट पोल्सः महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन भारी, झारखंड में छिन रहा हेमंत सोरेन का ताज

नई दिल्ली (आभा)। महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान समाप्त हो गया और अब एग्जिट पोल्स के नतीजे भी आने लगे हैं। महाराष्ट्र में ज्यादातर एग्जिट पोल्स ने भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन को टाइट फाइट में बढ़त दिखाई है। वहीं झारखंड में भाजपा अपने दम पर बहुमत की ओर बढ़ रही है। पीपल्स पल्स, डंजटप्रम, पी–मार्क और न्यूज 24–पी मार्क के सर्वे में महायुति की महाराष्ट्र में सरकार बन रही है। पीपल्स पल्स के सर्वे का कहना है कि महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन को 182 सीटें मिल सकती हैं, जबकि कांग्रेस की लीडरशिप वाले महाविकास अघाड़ी को 97 सीटें ही मिलने का अनुमान है। वहीं अन्य के खाते में 9 सीटें जा सकती हैं।

अब Matrize के सर्वे की बात करें तो उसने भाजपा गठबंधन को 150 से 170 सीटों का अनुमान जाहिर किया है। इस सर्वे ने एमवीए को 110 से 130 सीटें मिलने की बात कही है। इसके अलावा अन्य के खाते में 10 सीटें रखी गई हैं। इसी तरह पी–मार्क ने भी महायुति को 137 से 157 सीटें मिलने की बात कही है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वह बहुमत के करीब या उसके पार जा सकता है।

पी–मार्क के अनुसार महाविकास अघाड़ी को 126 से 146 सीटें हासिल हो सकती है। इस तरह पी–मार्क ने भाजपा गठबंधन को बढ़त दिखाई है, लेकिन सीटों का आंकड़ा देखें तो टाइट फाइट की स्थिति दिख रही है। अब न्यूज24–चाणक्य की बात करें तो भाजपा गठबंधन को बड़े बहुमत की ओर दिखाया गया है। इस सर्वे में भाजपा को 152–160 सीटें मिलने की भविष्यवाणी है। इसके अलावा 130–138 सीटें अघाड़ी के खाते में जा सकती हैं। राज्य में 6 से 8 सीटें अन्य को मिलने की बात कही गई है।

अब झारखंड की बात करें तो यहां भी भाजपा को स्पष्ट बहुमत का ही अनुमान है। Matrize के सर्वे में भाजपा और आजसू गठबंधन को 42 से 47 सीटें मिल सकती हैं। इसके अलावा कांग्रेस और झामुमो को 25 से 30 सीटें ही मिल सकती हैं। अन्य के खाते में 1 से 4 सीटें जा सकती हैं। पीपल्स पल्स के सर्वे में भी भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिल रहा है। यहां भाजपा को 42 से 48 सीटें मिलने का अनुमान है और झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन को 16 से 23 सीटें मिलने की बात कही गई है। भाजपा की गठबंधन सहयोगी आजसू को 2 से 5 सीटें हासिल हो सकती हैं।

रिवाल्वर लेकर वोटरों को धमकाते दिखे थाना प्रभारीः 7 पुलिसकर्मी निलम्बित

लखनऊ (आभा)। यूपी विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल माने जा रहे उपचुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी लगातार यूपी पुलिस को निशान पर लिए हुए है। सपा की शिकायत पर ही चुनाव आयोग ने सात पुलिस वालों को अब तक निलंबित किया है। अखिलेश यादव ने एक और वीडियो एक्स पर पोस्ट करते हुए मुजफ्फरनगर के ककरौली थाना प्रभारी पर रिवाल्वर लेकर वोटरों को धमकाने का आरोप लगाया है। चुनाव आयोग को एसएचओ को तत्काल निलंबित करने की मांग भी कर दी है। अखिलेश ने एक्स पर वीडियो के साथ लिखा कि मीरापुर के ककरौली थाना क्षेत्र के एसएचओ को चुनाव आयोग तुरंत निलंबित करे। वो रिवॉल्वर से धमकाकर वोटर्स को वोट डालने से रोक रहे हैं।

अखिलेश ने जो 22 सेकेंड का वीडियो पोस्ट किया है उसमें दिख रहा है कि ककरौली के एसएचओ हाथ में रिवॉल्वर लिये हुए कुछ महिलाओं को वापस जाने को कह रहे हैं। यही नहीं वह गोली मारने की भी धमकी दे रहे हैं। इस पर महिलाएं यह भी कहती हैं कि गोली मारने का आदेश नहीं है।

हालांकि इस वीडियो के बाद कुछ और वीडियो भी सामने आए हैं। एक वीडियो में बताया गया है कि अखिलेश यादव ने केवल रिवॉल्वर दिखाने वाला वीडियो क्राप करके पोस्ट किया है। पूरा वीडियो डेढ़ मिनट का है। दावा किया जा रहा है कि पुलिस वालों पर पत्थरबाजी हो रही थी। इसी के बाद एसएसओ ने रिवॉल्वर निकालकर धमकाना शुरू किया था। लाला नामक यूजर ने अखिलेश यादव के ट्वीट और डेढ़ मिनट का पूरा वीडियो डालते हुए लिखा है कि अखिलेश भैया ने पहले ये वीडियो डेढ़ मिनट का डाला। फिर पता चला पत्थरबाजी दिख रही है तो वीडियो क्रॉप कर के ट्वीट एडिट कर दिया। कहीं पोल न खुल जाये।

वोटर कार्ड चेक कर रहे पांच पुलिसकर्मी निलंबित

लखनऊ (आभा)। यूपी की नौ सीटों पर हो रहे उपचुनाव में वार–पलटवार के बीच ही समाजवादी पार्टी की शिकायत पर निर्वाचन आयोग ने बड़ी कार्रवाई की है। वोटर कार्ड चेक करने की शिकायत पर पांच पुलिस वालों को निलंबित कर दिया गया है। मुरादाबाद की कुंदरकी में 1, मुजफ्फरनगर की मीरापुर में 2 और कानपुर की सीसामऊ में भी 2 पुलिसकर्मी सस्पेंड किए गए हैं।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चुनाव आयुक्त से बात भी की है। अखिलेश के अनुसार अभी और भी पुलिस वालों को सस्पेंड किया जाएगा।सपा की शिकायत पर एक दिन पहले ही चुनाव आयोग ने पुलिस वालों को किसी का वोटर कार्ड चेक करने से मना किया था।

जमीनी विवाद में दबंगों ने मारा पीटाः दलित ने एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जमीनी विवाद और रंजिश को लेकर मारपीट के मामले में कप्तानगंज पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज न किये जाने को लेकर कप्तानगंज थाना क्षेत्र के चेरुइया निवासी दलित रामलाल पुत्र ओम प्रकाश ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है। एसपी को दिये पत्र में रामलाल ने कहा है कि गत 18 नवम्बर की शाम को गांव के ही अरविन्द चौधरी पुत्र राम सूरत, नितराम पुत्र पुसई, सुनील पुत्र नितराम, कंचन पुत्री नितराम, लक्ष्मी पत्नी लवकुश आदि उसके दरवाजे पर चढ़ आये और जाति सूचक भद्दी–भद्दी गालियां देकर मारा पीटा। उसे और उसके विकलांग भाई प्रीतम, भाभी नीलम व किरन को बुरी तरह से मारा पीटा। रामलाल का सिर फट गया। 112 नम्बर पर फोन करने पर कप्तानगंज पुलिस पहुंची दोषियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज करने की जगह उसे और रामलाल के परिवार का शांति भंग में चालान कर दिया।

दलित रामलाल ने एसपी से मांग किया है कि दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कर डाक्टरी कराते हुए उसके परिवार को न्याय दिलाया जाय।

जमीन का सीमांकन कराने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती सदर तहसील क्षेत्र के कबरा निवासी संजय शर्मा ने जिलाधिकारी को पत्र देकर भूमि का सीमांकन कराये जाने की मांग किया है। डीएम को दिये पत्र में संजय शर्मा ने कहा है कि सर्वे लेखपाल की आख्या के आधार पर उप जिलाधिकारी सदर ने ग्राम गंगापुर तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील सदर बस्ती के आधार वर्ष खतौनी संख्या 762 के गाटा संख्या 2109/1 के सीमांकन हेतु राजस्व टीम का गठन किया था।

राजस्व टीम में दिनेश तिवारी राजस्व निरीक्षक पियारेपुर, राम हरख क्षेत्रीय सर्वे लेखपाल, दिलीप पटेल, विक्की राजस्व लेखपाल को प्रकरण के निस्तारण का निर्देश दिया गया था। अभी तक जमीन की पैमाइश नहीं किया गया। संजय शर्मा ने डीएम को दिये पत्र में कहा है कि अनेकों बार पत्र दिये जाने के बावजूद अभी तक जमीन का सीमांकन नहीं किया गया। मांग किया कि जमीन का सीमांकन कराकर प्रकरण का निस्तारण कराया जाय।

यूपी उपचुनावः एग्जिट पोल में बीजेपी को बढ़त

लखनऊ (आभा)। यूपी उपचुनाव में वोटिंग पूरी होने के बाद एग्जिट पोल भी आने लगे हैं। जी न्यूज आईसीपीएल एग्जिट पोल के अनुसार यूपी की नौ सीटों पर हुए उपचुनाव में भाजपा को बढ़त मिलती दिख रही है। भाजपा नौ में से चार से छह सीटें जीत सकती है। वहीं समाजवादी पार्टी को तीन से पांच सीटें मिलती दिख रही हैं। हालांकि दोनों ओर से नौ में से नौ सीटें जीतने का दावा किया गया था। अब ऐसी स्थिति नहीं दिख रही है। फिलहाल नौ में से भाजपा के पास पांच और सपा के पास चार सीटें हैं। इस तरह से देखें तो अगर एग्जिट पोल ही रिजल्ट में परिवर्तित होते हैं तो भाजपा को अधिकतम एक सीट का फायदा हो रहा है।

यूपी उपचुनाव में नौ विधानसभा सीटों मीरापुर, कुन्दरकी, गाजियाबाद, खैर (अजा.), करहल, सीसामऊ, फूलपुर, कटेहरी और मझवां विधानसभा सीट पर मतदान पूरा हो चुका है। नौ सीटों पर कुल 90 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं, जिनके भाग्य का फैसला होगा।

जी न्यूज का दावा है कि उनसे इस बार एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल कर एग्जिट पोल किया है। सोशल मीडिया पर लगभग एक लाख पोस्ट और कमेंट के सेंटिमेंट के आधार पर एआई की मदद से उसने सर्वे किया है। इस सर्वे में कई सवाल लोगों से पूछे गए थे।

कटेंगे तो बटेंगे और जुड़ेंगे तो जीतेंगे के नारों के बीच हुए चुनाव में माना जा रहा था कि भाजपा हिन्दुत्व को मुद्दा बनाकर चुनाव लड़ रही है। लोगों को जाति के आधार पर बंटने से रोकने का प्रयास किया जा रहा था। लोगों से इसे लेकर भी सवाल किए गए। चुनाव में हिन्दुत्व चला या जाति? इस पर 40 प्रतिशत लोगों ने कहा कि जाति के आधार पर वोट दिए जा रहे हैं। 40 प्रतिशत ने ही माना कि हिन्दुत्व के नाम पर वोट पड़ रहे हैं। 20 प्रतिशत ने माना कि दोनों मुद्दे नहीं चले हैं।

चुनाव के बीच ही बुलडोजर को लेकर सुप्रीम कोर्ट का फैसला भी आया है। इसे लेकर पूछे गए सवाल पर लोगों ने यही कहा कि बुलडोजर इस बार मुद्दा नहीं था। कानून व्यवस्था पर लोगों ने योगी को बेहतर बताया। कानून व्यवस्था पर कौन सा सीएम बेहतर है। इस सवाल पर 55 प्रतिशत ने योगी आदित्यनाथ को बेहतर बताया। 30 प्रतिशत ने अखिलेश यादव और 15 प्रतिशत ने मायावती को कानून व्यवस्था के मामले पर बेहतर मुख्यमंत्री बताया है।

पीड़ित निषाद परिवार को न्याय दिलाने की मांगः सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन और निर्बल इण्डियन शोषित हमारा आम दल 'निषाद पार्टी' संगठन के जिलाध्यक्ष संदीप कुमार निषाद के नेतृत्व में नेताओं और नागरिकों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि कप्तानगंज थाना क्षेत्र के बेलवाजोर निवासी सीतापति निषाद पत्नी राम बहोर निषाद का जमीनी मामले में उत्पीड़न बंद कराकर दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई करने के साथ ही मुकदमा पंजीकृत कराकर उनके परिवार के जान माल की रक्षा कराया जाय।

डीएम को सौंपे ज्ञापन में कहा गया है कि कप्तानगंज थाना क्षेत्र के बेलवाजोर निवासी सीतापति निषाद पत्नी राम बहोर निषाद डीही आबादी में 75 वर्षों से आबाद है। रास्ते के विवाद को लेकर गत 3 जून को दिन में 12 बजे दुर्गा प्रसाद के परिवार के लोग कब्जा रहे थे तब उसने उपजिलाधिकारी हरैया को 6 जून को शिकायती प्रार्थना पत्र दिया था। इस पर उपजिलाधिकारी हरैया ने कप्तानगंज थानाध्यक्ष को अवैध कब्जा रोकवाने का आदेश दिया था। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के बेलवाजोर निवासिनी सीतापति निषाद पत्नी राम बहोर निषाद ने मुख्यमंत्री के साथ ही सम्बंधित अधिकारियों को पत्र भेजकर न्याय की गुहार लगाया है। भेजे पत्र में सीतापति ने कहा है कि गांव के ही दुर्गा प्रसाद, अभिजीत, अभिषेक, अनुराग ने जमीनी विवाद के कारण उसके पानी पीने का नल उखाड़ दिया और मारने पीटने के साथ उसे जान से मारने की धमकी दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक आदि को भेजे पत्र में सीतापति निषाद ने कहा है कि वह एक डीही आबादी पुरानी सिकमी नम्बरान में बसी है जिस जमीन में उसका मकान, छप्पर, शौचालय, नल तथा जानवरों को खिलाने के लिए चरनी रखकर करीब 75 वर्षों से आबाद है। रास्ते के विवाद को लेकर गत 3 जून को दिन में 12 बजे दुर्गा प्रसाद के परिवार के लोग कब्जा रहे थे तब उसने उपजिलाधिकारी हरैया को 6 जून को शिकायती प्रार्थना पत्र दिया था। इस पर उपजिलाधिकारी हरैया ने कप्तानगंज थानाध्यक्ष को अवैध कब्जा रोकवाने का आदेश दिया था। थानाध्यक्ष द्वारा कब्जा करने से विपक्षी को रोका गया था। गत 15 अक्टूबर को सुबह 8 बजे दिन में दुर्गा प्रसाद अभिजीत, अभिषेक, अनुराग व उनके घर आये रिश्तेदार राका ओझा साकिन रजौली सभी लोगों मिलकर उसे लाठी–डण्डा, लात–मूका, थप्पड से मारा पीटा। इसकी शिकायत उसने मुख्यमंत्री सहित उच्चाधिकारियों से किया जिससे दुर्गा प्रसाद आदि नाराज रहते हैं। गत 5 नवम्बर को वह गांव के पटीदार के नल से पानी ला रही थी इतने में दुर्गा प्रसाद आदि ने गाली गुप्ता देकर कहे कि तुम गांव के नल से पानी मत लाओ, उसके विरोध करने पर दुर्गा प्रसाद, अभिषेक, अभिजीत, अनुराग व राका ओझा आदि ने उसे मारा पीटा और परिवार समेत जान से मार देने की धमकी दिया। सीतापति ने मामले की जांच कराकर दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई और अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है किन्तु पुलिस कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं कर रही है।

ज्ञापन सौंपने वालों में हृदय गौतम, ठाकुर प्रेमनन्दबंशी, रामू निषाद, रमेश चन्द्र निषाद, यमुना निषाद, कन्हैया निषाद, हरि प्रसाद साहनी, दीपू निषाद, ज्ञान प्रकाश, बब्लू राना, सन्तोष निषाद, मनोरमा निषाद, राम भवन निषाद, लालकेश निषाद, आकाश निषाद, कन्हैया, अरविन्द निषाद, बीरबल निषाद आदि शामिल रहे।

पुण्य तिथि पर याद किये गये जन कवि बालसोम गौतम

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ' ये शाम और ये फूलों का मुरझाना देख उदासी क्यों, जब तय है होगी सुबह, खिलेंगे फूल हजारों नये–नये' जैसी रचनाओं से समाज को संदेश देने वाले जन कवि बालसोम गौतम को उनकी आठवीं पुण्य तिथि पर याद किया गया। बालसोम गौतम स्मृति संस्थान की ओर से बुधवार को प्रेस क्लब के सभागार में आयोजित कवि सम्मेलन एवं मुशायरे में कवि, शायरों ने बालसोम गौतम के साहित्यिक योगदान पर विमर्श किया।

मुख्य अतिथि डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि बालसोम गौतम का रचना संसार विविधता लिये हुये हैं। वे अपने समय के सशक्त हस्ताक्षर थे, उनकी कवितायें हमें संकट में साहस देती है। डा. वर्मा ने बाल सोम पर केन्द्रित रचना 'बाल सोमजी ने जीवन में कभी न मानी हार, उनकी पुण्य तिथि पर करता नमन् उन्हें शतबार'' सुनाकर उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला।

बालसोम गौतम के शिष्य डॉ. राम कृष्ण लाल 'जगमग' ने कहा कि बाल सोम गौतम को याद करना इतिहास के कई बिन्दुओं को खंगालने जैसा है। वे स्वयं में अप्रतिम कवि थे। उन्होने बालसोम गौतम से जुड़े अनेक प्रसंगों, अनुभवों को साझा किया। उनकी कविता ' हर पल

गीत प्रेम के गाया, नहीं किसी का हृदय दुःखाया, कौन करे अब लेखा जोखा, जीवन में क्या खोया पाया' को श्रोताओं ने सराहा। डॉ. जगमग ने बाल सोम जी की कविताओं को सुनाते हुये कई प्रसंगों की विस्तार से चर्चा किया। राम नरेश सिंह मंजुल ने कहा कि बाल सोम जी का रचना संसार बहुत व्यापक था। उनकी रचनाओं का जन मानस पर गहरा प्रभाव पड़ा। संचालन करते हुये विनोद कुमार उपाध्याय 'हर्षित' ने बाल सोम जी के जीवनवृत्त पर प्रकाश डाला। अध्यक्षता करते हुये हरीश दरवेश ने बाल सोम जी के रचना संसार पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में सुरेश सिंह गौतम, श्याम प्रकाश शर्मा, रामदत्त जोशी, डा. अजीत श्रीवास्तव 'राज', डा. सतीश चन्द्र, रहमान अली 'रहमान' अफजल हुसेन अफजल, तौव्वाब अली, हनुमत प्रसाद शुक्ल, चन्द्रमोहन लाल श्रीवास्तव, राजेन्द्र सिंह 'राही', हरिश्चन्द्र शुक्ल, सत्येन्द्र पटेल, आर.पी. मिश्र, सामर्इन फारूकी, आदि ने कहा कि जन कवि बाल सोम गौतम की रचनायें युगों तक लोगों को अंधकार से लड़ने का साहस देंगी। उन्होने मानव मन की पीड़ा, हर्ष को जो स्वर दिया वह दिलों को छू जाता है। अनेक कवि, शायरों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से बालसोम गौतम की स्मृतियों को साझा किया। बाल सोम गौतम के अधिवक्ता पुत्र सिद्धार्थ गौतम ने अपने पिता की रचनाओं को प्रस्तुत करने के साथ ही आगन्तुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राजेन्द्र उपाध्याय, राकेश तिवारी, पावेन्द्रनाथ पुरी, महेन्द्र उपाध्याय, लवकुश सिंह के साथ ही अनेक कवि, साहित्यकार उपस्थित रहे।

कार्यशाला में दिया आयकर कटौती की जानकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयकर कटौती जागरूकता कार्यक्रम की कार्यशाला सम्पन्न हुयी। कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि यहॉ जो भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है, उसे गम्भीरता से लिया जाय। उन्होने कहा कि टीडीएस कटौती कम या ज्यादा पाये जाने पर वैधानिक जिम्मेदारिया तय की जायेगी। उन्होने कहा कि टैक्स निर्धारित समयावधि में जमा करें,

जिससे भविष्य में आयकर कटौती समस्या का सामना ना करना पड़ें।

कार्यशाला में इनकम टैक्स आफीसर (फैजाबाद) ममता केसरवानी ने टीडीएस कटौती के बारे में आहरण–वितरण अधिकारियों और लेखा कर्मचारियों तथा वेतन, आयकर कटौती, रिटर्न दाखिल करने के संबंध में अधिकारियों को विस्तृत जानकारी प्रदान किया। उन्होने बताया कि टीडीएस कटौती न करने पर जुर्माना का प्रावधान है। मुख्य कोषाधिकारी अशोक कुमार प्रजापति ने बताया कि यह अवश्य देख लिया जाय कि बिलो पर आधार व पैन दर्ज हों व आधार व पैन लिंक हो। कार्यशाला में आयकर अधिकारी विनोद कुमार सिंह, इनकम स्पेक्टर सचिन पटेल, सुपरीटेण्डन धर्मेन्द्र मिश्रा, सीएमओ डा. आर.एस. दुबे, उप जिलाधिकारी न्यायिक मनोज प्रकाश, उप निदेशक कृषि अशोक कुमार गौतम सहित संबंधित आहरण–वितरण अधिकारीगण उपस्थित रहें।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 21 नवम्बर 2024 गुरूवार

सम्पादकीय

मणिपुर में बढ़ती मुश्किलें

कभी शांतिप्रिय माने जाने वाले मणिपुर में बीते डेढ़ साल से जारी हिंसा एक गंभीर चुनौती बनती जा रही है। राज्य में नए सिरे से शुरू हुई अमानवीय हिंसा व आगजनी की घटनाएं स्थिति की गंभीरता को दर्शाती हैं। इस हिंसाग्रस्त पूर्वोत्तर के हालात से निपटने में केंद्र और राज्य सरकार बेबस और उदासीन नजर आते हैं। हाल के दिनों में पनपी गंभीर हिंसा की घटनाएं राज्य नेतृत्व की क्षमताओं पर सवाल उठाती हैं। केंद्र व राज्य में एक ही दल की सरकार होने के बावजूद हिंसा न थमने को लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठाता रहा है। निश्चित रूप से यह गंभीर स्थिति ही है कि दो सौ से अधिक लोगों के मारे जाने तथा हजारों लोगों के विस्थापन के बावजूद संकट का समाधान होता नजर नहीं आ रहा है। यही वजह है कि इन घटनाओं के बाद जनाक्रोश सड़कों पर नजर आ रहा है। राज्य में कई विधायकों के घरों पर हमले व आगजनी की घटनाएं हुई हैं। यहां तक कि साठ सदस्यीय विधानसभा में सात सदस्यों वाली नेशनल पीपुल्स पार्टी यानी एनपीपी ने राज्य सरकार से समर्थन वापस ले लिया है। पार्टी का आरोप है कि मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार संकट का समाधान निकालने तथा सामान्य स्थिति बहाल करने में पूरी तरह विफल रही है। हालांकि एनपीपी के समर्थन वापस लेने से सरकार को कोई खतरा नहीं हैं क्योंकि सरकार के पास विधानसभा में पर्याप्त बहुमत है, लेकिन घटनाक्रम स्थिति की गंभीरता को जरूर दर्शाता है। साथ ही घटनाक्रम सत्तारूढ़ भाजपा को चेताता है कि वह अब हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठ सकती। हालांकि, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राज्य में दो दिन के दौरान सुरक्षा स्थिति की समीक्षा जरूर की है। वहीं मुख्यमंत्री ने भी सत्तारूढ़ गठबंधन के मंत्रियों और अन्य विधायकों से बैठक करके उन्हें समझाने की कोशिश की है।

विपक्ष मणिपुर के बेहद चिंताजनक हालात होने के बावजूद प्रधानमंत्री की अपेक्षित सक्रियता न होने का आरोप संसद से सड़क तक लगाता रहा है। वे आरोप लगाते रहे हैं कि पूरी दुनिया की खैर–खबर लेने वाले प्रधानमंत्री मणिपुर नहीं जाते। साथ ही उनका आरोप है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय लगातार बिगड़ती स्थिति को नियंत्रित करने में विफल रहा है। सवाल यह भी कि सुरक्षा बलों की निरंतर बढ़ती उपस्थिति के बावजूद स्थितियां नियंत्रण में क्यों नहीं आ रही हैं। यह भी कि लगातार हिंसा व चौपट होती कानून व्यवस्था के बाद भी कैसे पार्टी मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह पर भरोसा जता रही है। उनकी विफलताओं के बावजूद उनको हटाने की मांग को क्यों नजरअंदाज किया जा रहा है। वह भी तब जबकि आक्रोशित जनता पार्टी विधायकों के घरों को आगजनी से निशाना बना रही है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि पूर्वोत्तर का यह राज्य संवेदनशील अंतर्राष्ट्रीय सीमा से जुड़ा है। मणिपुर की हिंसा बीते साल मई में मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने की मांग के बाद शुरू हुई थी। जिसका राज्य के कुकी व नागा समुदाय ने हिंसक विरोध किया था। लेकिन यह गंभीर बात है कि पिछले डेढ़ वर्ष में राज्य के भीतर अवैध प्रवास, जमीन, जंगल, हथियारों की तस्करी व नशे के कारोबार में खासी तेजी आयी है। यहां तक कि म्यांमार से अवैध घुसपैठ की घटनाएं भी सामने आई हैं। निस्संदेह, इस संकट के तमाम आयाम हैं, जिसकी संवेदनशीलता को देखते हुए इस मसले के शीघ्र समाधान की जरूरत महसूस की जा रही है। संकट इस बात का भी है कि यह संघर्ष पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में भी फैल सकता है। हाल के वर्षों में म्यांमार व बांग्लादेश में बदले राजनीतिक घटनाक्रम के चलते पृथकतावादियों को शह मिल सकती है, जो कालांतर भारत में कानून व्यवस्था के लिये संकट पैदा कर सकते हैं। यदि हम पूर्वोत्तर के इतिहास पर नजर डालें तो पाते हैं कि पूर्वोत्तर में सामुदायिक संरचना बेहद जटिल और संवेदनशील रही है। इससे हिंसा का सिलसिला लंबा खिंच सकता है। ऐसे में केंद्र व राज्य सरकार की कोशिश हो कि संकट का राजनीतिक व सामाजिक समाधान निकाला जाए ताकि समुदायों में सामंजस्य से हिंसा को टाला जा सके।

तंत्र का यंत्र बनते चुनाव और लोकतंत्र

–योगेन्द्र यादव–

इस साल चुनाव देखते–दिखाते, सुनते–बतियाते तथा लड़ते–लड़ाते हुए मुझे 40 बरस पूरे हो जाएंगे। मुझे याद है 1984–85 का वह अभूतपूर्व चुनाव, जिसमें राजीव गांधी की चुनावी आंधी ने सब भविष्यवाणियों को झुठला दिया था। उस चुनाव में प्रणय रॉय द्वारा इंडिया टुडे पत्रिका में किए विश्लेषण को पढ़कर मेरी चुनावी विश्लेषण और भविष्यवाणी में दिलचस्पी जगी थी।

पिछले चार दशकों में चुनावों के दौरान देश और दुनिया के अलग–अलग कोनों की धूल फांकने का मौका मिला, अखबार, टी.वी. और अब यूट्यूब पर विश्लेषण किया है, एक बार खुद चुनाव लडने और कई बार चुनाव लड़ाने का अवसर भी मिला है। जब पीछे मुड़कर देखता हूं तो लगता है चुनाव का शाब्दिक और कानूनी चेहरा भले ही वही रहा है, लेकिन चुनाव नामक इस घटना का स्वरूप बुनियादी रूप से बदल गया है। मुझे याद है 1994 में जब मुझे जर्मनी के चुनाव देखने का मौका मिला, तब आंखों में चुभा था कि वहां सड़कों पर, बाजार में, होटल में और यहां तक कि अखबार के पन्नों पर भी कहीं चुनाव का कोई माहौल ही नहीं था। उन दिनों तक भारत के चुनाव एक मेले जैसे हुआ करते थे। दीवार लेखन, पोस्टर, बैनर, झंडियों की लडियां या फिर बड़े–बड़े झंडे। इनसे पूरा शहर पटा रहता था, चुनाव चल रहे हैं इसका आंख खोलने भर से पता रहता था।

पब्लिक को कुछ तकलीफ जरूर होती थी, जैसी हर त्यौहार में होती है। लेकिन कुल मिलाकर यह लोकोत्सव होता था, जिसमें रौनक थी, जनता के जनार्दन होने की खनक थी। अब चुनाव आयोग की तरफ से ही नाना प्रकार की बंदिशें लग गई हैं, सड़क से पोस्टर, बैनर, झंडियां लगभग गायब हो चुकी हैं। कभी अखबार में बड़ा विज्ञापन दिख जाता है, बस। चुनाव प्रचार घर की चारदीवारी के भीतर सिमट गए हैं, अक्सर केवल ड्राइंग रूम तक।

मेरे बचपन में ही चुनावी बुखार का पैमाना चुनावी रैलियां हुआ करती थीं। नेता आपकी पसंद की पार्टी का हो या नहीं, सारा शहर उसके भाषण को सुनने और उसकी रैली देखने जाया करता था। रैली में जुटी भीड़ और जनता की प्रतिक्रिया से ही चुनावी हवा का अनुमान लगाया जाता था। इस मायने में भी भारत का चुनाव यूरोप और अमरीका से बहुत अलग था, जहां नेता जनसंपर्क सिर्फ टी.वी. कैमरे के लिए करते थे। धीरे–धीरे हम भी उसी राह पर चल निकले हैं। चुनाव रैलियों से हटकर अब टी.वी. के पर्दे पर खिसक आया है। रैलियां अब भी होती हैं, लेकिन टी.वी. के लिए। अब चुनावी रैली में सामान्य मतदाता ईने–गिने ही होते हैं, चुनावी रैली अपने समर्थकों के शक्ति प्रदर्शन का बहाना होती है। रैली में भी नेता जनता से बहुत दूर होते हैं।

सड़क और मैदान से ही खिसक चुनावी प्रचार आंगन और ड्राइंग रूम में चले आने से चुनाव की भाषा ज्यादा नफीस होनी चाहिए थी, खर्च घटना चाहिए था, लेकिन इसका ठीक उलटा हो रहा है। पहले गाली–गलौच, अनर्गल आरोप और भड़काऊ भाषा का इस्तेमाल विपक्षी दलों में भी बिल्कुल हाशिए पर खड़े नेता किया करते थे। पिछले 10 वर्षों में संवैधानिक पदों पर विराजमान नेताओं ने भी इस भाषा की मर्यादा को तोडने में अग्रणी भूमिका अख्तियार कर ली है। हर चुनाव में ही खर्चा दिन दोगुना, रात चौगुना बढ़ता जा रहा है। पहले कभी–कभार ऐसा राजनीतिक कार्यकर्त्ता मिल जाता था, जो नाम मात्र के पैसे खर्च कर चुनाव जीत जाता था। अब ऐसे अपवाद ढूंढने पर भी नहीं मिलेंगे। विधानसभा चुनाव में चुनावी खर्च की सीमा भले ही 40 लाख रुपए हो, लेकिन हर गंभीर उम्मीदवार औसतन 5–10 करोड़ रुपए खर्च करने पर मजबूर है। सम्पन्न राज्यों में यह राशि 25–30 करोड़ रुपए है तो कुछ शहरी सीटों पर 50 करोड़ रुपए या उससे भी अधिक है। जरूरी नहीं कि लोग पैसा लेकर उसी उम्मीदवार को वोट डालेंगे लेकिन अब देश के अधिकांश इलाकों में वोटर भी चुनावी दक्षिणा को अपना अधिकार मानता है।

मीडिया कभी भी चुनाव में पूरी तरह निष्पक्ष नहीं था, लेकिन आज की तरह सत्ता की गोदी में नहीं था, सत्तारूढ़ पार्टी के भोंपू का काम नहीं करता था, विपक्षी दलों और नेताओं का भेडिघ्ए की तरह शिकार नहीं करता था। पहले चुनाव परिणाम टैस्ट मैच की तरह सुस्ताते हुए आते थे, अब ये भी टी–ट्वैंटी की रफ्तार से टी.वी. के पर्दे पर आते हैं। मोहक तस्वीरें व सुंदर ग्राफिक होते हैं, लेकिन सब कुछ बना–बनाया तयशुदा सा होता है। उस जमाने के चुनाव कार्यकर्त्ता जीतते और जिताते थे। वैसे आज भी उम्मीदवारों के चुनावी दफ्तरों में भीड़ दिखाई दे सकती है लेकिन दरअसल चुनाव जिताने का दारोमदार अब वहां से खिसक चुका है। लेकिन अब धीरे–धीरे कार्यकर्त्ता की जगह कंसल्टैंट आ रहे हैं। पार्टी कार्यालय का स्थान चुनाव मैनेजमैंट कंपनियों के हाई–फाई कार्यालय ले रहे हैं। चुनाव की राजनीतिक स्ट्रैटेजी, उम्मीदवार से लेकर चुनावी थीम और नारे चुनने,चुनाव प्रचार सामग्री डिजाइन करने, नेता की छवि गढने और कार्यकर्त्ताओं की खरीद–फरोख्त करने का सारा ठेका अब चुनावी कंपनियां ले रही हैं। पहले नेता जनता को मोटिवेट करते थे, कार्यकर्त्ता जनता को मोबिलाइज करते थे, अब कंसल्टैंट जनता को मैनेज करते हैं। एक जमाने में चुनाव लोकतंत्र का उत्सव होते थे – एक जोखिम से भरा उत्सव, जिसमें जनता– जनार्दन नामक देवता कुछ भी वरदान दे सकता था, प्रसन्न न हो तो बड़े से बड़े को श्राप दे सकता था। अब चुनाव एक इवैंट है, जिसमें अधिकांश कार्यक्रम पूर्व निर्धारित हैं, नियोजित हैं, प्रायोजित हैं। चुनाव से लोक को पूरी तरह से बेदखल तो नहीं किया जा सकता, लेकिन तंत्र ने लोक को चारदीवारी में कैद करने का यंत्र बना लिया है। पहले चुनाव लोकतंत्र की आत्मा थे, अब उसका शृंगार हैं।

रोजगार के संदर्भ में बदलना होगा नजरिया

– प्रहलाद सबनानी–

भारतीय प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति की सदस्य सुश्री शमिका रवि द्वारा हाल ही में सम्पन्न किए गए एक रिसर्च पेपर में, आंकड़ों के साथ, कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई हैं। इस रिसर्च पेपर में भारत के आर्थिक विकास के कई क्षेत्रों के सम्बंध में तथ्यों पर आधारित सारगर्भित बातें बताने के साथ साथ यह भी जानकारी दी गई है कि किस प्रकार भारत में अब ग्रामीण इलाके भी देश की अर्थव्यवस्था में अपना योगदान बढ़ा रहे हैं तथा कई राज्यों की आर्थिक स्थिति में सुधार होता हुआ दिखाई दे रहा है। साथ ही, यह भी बताया गया है कि किस प्रकार भारत में तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास का लाभ देश के युवाओं को रोजगार के अधिक अवसरों के रूप में मिल रहा है।

आज भारत में केवल मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, बैंगलोर, हैदराबाद, पुणे जैसे महानगर ही देश के विकास में भागीदारी नहीं कर रहे हैं बल्कि ग्रामीण इलाकों में भी पर्याप्त विकास हो रहा है। इससे रोजगार के अवसर भी इन इलाकों में निर्मित हो रहे हैं। सबसे अधिक विकास आज अविकसित क्षेत्रों में हो रहा है। आज गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, आदि के साथ साथ उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, एवं नोर्थ ईस्ट के इलाके भी तेजी से विकास कर रहे हैं। विकास के कई नए क्षेत्रों का निर्माण हुआ है। पिछड़े हुए इन राज्यों में गति पकड़ रहा विकास, भारत के सकल घरेलू उत्पाद में और भी अधिक वृद्धि दर्ज करने में सहायक सिद्ध होगा। ग्रामीण इलाकों में मूलभूत सुविधाओं का अतुलनीय विस्तार हुआ है, जिसके चलते अब सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में कार्य करने वाली कम्पनियां भी अपने संस्थानों को ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित हो रही हैं। विशेष रूप से दक्षिणी प्रदेशों में कुछ कम्पनियों ने इस सम्बंध में अच्छी पहल की है। प्राचीन भारत में ग्रामीण क्षेत्र ही आर्थिक विकास के मजबूत केंद्र रहे हैं। इससे इन क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों को रोजगार के अवसर भी इनके आसपास के इलाकों में मिल जाते हैं और इन्हें शहरी क्षेत्रों की ओर पलायन करने की आवश्यकता ही नहीं होती है।

दूसरे, सामान्यतः देश के विभिन्न राज्यों की वित्तीय स्थिति में भी मजबूती आई है। कुछ राज्यों के बजटीय घाटे में अतुलनीय सुधार दृष्टिगोचर हुआ है। परंतु, साथ ही कुछ राज्यों जैसे, पंजाब, केरल, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, आदि प्रदेशों में आज बजटीय घाटे की स्थिति दयनीय हो रही है जिसे शीघ्र ही सम्हालने की आवश्यकता है क्योंकि एक तो इन राज्यों में विकास दर कम होती जा रही है दूसरे इन राज्यों द्वारा मुफ्त योजनाओं को धड़ल्ले से चलाया जा रहा है, बगैर यह ध्यान दिए कि इन बढ़े हुए खर्चों के लिए क्या उनके बजट में कुछ गुंजाइश भी है। इस प्रकार के बढ़े हुए खर्चे इन राज्यों के बजट पर अंततः दबाव बढ़ाते हैं।

आज देश में कुछ राज्यों में ब्याज के भुगतान, प्रशासन सम्बंधी खर्चों एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पेंशन का भुगतान करने में ही पूरे बजट की राशि समाप्त हो जाती है। प्रदेश में विकास कार्य करने के लिए कुछ भी राशि बचती ही नहीं है बल्कि कुछ राज्यों को तो इन मदों पर भुगतान करने हेतु भी ऋण लेना होता है जो बजट पर और अधिक दबाव को बढ़ाता है। पूंजीगत खर्चे इन राज्यों में कम ही हो पा रहे हैं जिससे इन राज्यों में प्रति व्यक्ति आय भी कम है और ये राज्य विकास की दर को हासिल नहीं कर पा रहे हैं। दिल्ली में पिछले 10 वर्ष पूर्व तक पूंजीगत मदों पर बजट का एक बहुत बड़ा भाग खर्च होता था परंतु पिछले 10 वर्षों में पूंजीगत व्यय में भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। पंजाब की स्थिति भी बहुत खराब हो गई है केवल 20 वर्ष पूर्व तक पंजाब देश में सबसे अमीर राज्यों की श्रेणी में शामिल था परंतु आज इसके आसपास के राज्य, हिमाचल प्रदेश एवं हरियाणा, भी पंजाब से आगे निकल गए हैं। इन राज्यों में उद्योगों को स्थापित करने की आज सबसे अधिक आवश्यकता है। पंजाब से उद्योग निकलकर हिमाचल प्रदेश एवं हरियाणा में चला गया है। मध्यप्रदेश एवं बिहार कृषि के क्षेत्र में बहुत भारी वृद्धि दर्ज कर रहे हैं परंतु उद्योग के कम मात्रा में होने के चलते इन राज्यों में प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि दर तुलनात्मक रूप से कम है।

किसी भी देश के लिए श्रम की भागीदारी एवं बेरोजगारी दो अलग अलग मुद्दे हैं। श्रम की भागीदारी में 18 वर्ष से 59 वर्ष के बीच के वे लोग शामिल रहते हैं जो अर्थ के अर्जन हेतु या तो कुछ कार्य कर रहे हैं अथवा कोई आर्थिक कार्य करने को उत्सुक हैं एवं इस हेतु रोजगार तलाश रहे हैं। पिछले 40 वर्षों के दौरान चीन में श्रम की औसत भागीदारी 75 प्रतिशत से ऊपर रही है। अर्थात प्रत्येक 4 में से 3 लोग या तो रोजगार में रहे हैं अथवा रोजगार तलाशते रहे हैं। वियतनाम में श्रम की भागीदारी 72 से 73 प्रतिशत की बीच रही है। बंगलादेश में यह 60 प्रतिशत से अधिक रही है। परंतु भारत में श्रम की भागीदारी 5 वर्ष पूर्व तक केवल 50 प्रतिशत के आसपास थी जो आज बढ़कर 57 प्रतिशत हो गई है। अर्थात इतने बड़े देश में कुल कार्य करने योग्य जनसंख्या में से आधे से कुछ कम आबादी या तो रोजगार में नहीं है अथवा रोजगार तलाश भी नहीं रही है। यह स्थिति भारत जैसे देश के लिए ठीक नहीं है।

दूसरे, बेरोजगारी से आश्य ऐसे नागरिकों से है जो रोजगार तलाश रहे हैं लेकिन उन्हें रोजगार मिल नहीं रहा है। भारत में ऐसे नागरिकों की संख्या मात्र 3 प्रतिशत ही है। समय के साथ बेरोजगारी की दर में थोड़ा बहुत परिवर्तन होता रहता है। परंतु, जब इस स्थिति को विभिन्न प्रदेशों के बीच तुलना करते हुए देखते हैं तो बेरोजगारी की दर में भारी अंतर दिखाई देता है। गुजरात, छत्तीसगढ़, कर्नाटक जैसे राज्यों में बेरोजगारी की दर यह 0.9 से 1.5 प्रतिशत के बीच है, जबकि केरल में 12.5 प्रतिशत है। आर्थिक विकास में वृद्धि के साथ साथ रोजगार के अवसर भी अधिक निर्मित होते हैं। इसलिए आज देश में रोजगार के नए अवसर निर्मित करने के लिए व्यवसाय को बढ़ाना होगा, विकास को बढ़ाना होगा। केवल केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारें समस्त नागरिकों को रोजगार उपलब्ध नहीं करा सकती है। इस हेतु, निजी क्षेत्र को आगे आना ही होगा। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के संस्थानों के रोजगार के अवसर निर्मित करने की कुछ सीमाएं हैं।

आज भारत में 30 वर्ष के अंदर की उम्र के नागरिकों में बेरोजगारी की दर 12 प्रतिशत है, जबकि देश में कुल बेरोजगारी की दर 3.1 प्रतिशत है। अतः देश के युवाओं में बेरोजगारी की दर अधिक दिखाई देती है। देश के युवाओं में कौशल का अभाव है। इसलिए केंद्र सरकार विशेष कार्यक्रम लागू कर युवाओं में कौशल विकसित का प्रयास कर रही है। विशेष रूप से भारत में युवाओं के लिए कहा जा रहा है कि वे 30 वर्ष की उम्र तक काम करना ही नहीं चाहते हैं, क्योंकि इस उम्र तक वे रोजगार के अच्छे अवसर ही तलाशते रहते हैं। 30 वर्ष की उम्र के बाद वे दबाव में आने लगते हैं एवं फिर उन्हें जो भी रोजगार का अवसर प्राप्त होता है उसे वे स्वीकार कर लेते हैं। इसलिए 30 वर्ष से अधिक की उम्र के नागरिकों के बीच बेरोजगारी की दर बहुत कम है।

प्रदूषण की गिरफ्त में जिन्दगी

–निर्मल रानी–

उत्तर भारत का एक बड़ा क्षेत्र इन दिनों 'स्मॉग ' यानी जहरीले धुयें युक्त कोहरे जिसे धूम कोहरा भी कहा जाता है, की चपेट में है। यह कोई पहला अवसर नहीं है जबकि श्स्मॉग श यानी जहरीले धुयें की खबरें मीडिया में सुर्खियां बटोर रही हों। बल्कि लगभग दो दशक से यह स्थित प्रत्येक वर्ष पैदा हो रही है। हाँ इतना जरूर है कि प्रदूषण दिन प्रतिदिन और भी न केवल बढ़ता जा रहा है बल्कि और भी जहरीला भी होता जा रहा है। इसका घोर प्रदूषण युक्त वातावरण का खामियाजा हमें तरह तरह से भुगतना पड़ रहा है। कहीं विमानों की उड़ानें प्रभावित हो रही हैं तो कहीं ट्रेंस परिचालन में बाधा आने के चलते रेल गाड़ियां लेट हो रही हैं। गत दिनों खराब मौसम के कारण ही दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर 15 विमानों का मार्ग बदला गया जबकि 100 से अधिक उड़ानों में देरी हुई। सड़कों पर दुर्घटनाओं में इजाफा होने लगा है। स्वास्थ्य कारणों से बच्चों के स्कूल बंद कर दिए जाते हैं तो अस्पतालों में सांस और दमा के मरीजों की संख्या बढ़ जाती है। यहाँ तक कि एक स्वस्थ व्यक्ति भी ऐसे वातावरण में सांस लेने में दिक्कत महसूस करने लगता है। लोगों को खुजली हो रही है और आंखों में जलन व आँखों से पानी आने की शिकायतें आ रही हैं। मास्क लगाना या न लगाना दोनों ही स्थिति में लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी बढ़ते प्रदूषण की वजह से हालात गंभीर बने हुए हैं। पिछले दिनों पाकिस्तान के लाहौर में स्मॉग यानी जहरीले धुएं की इतनी मोटी चादर बिछ गई जो अंतरिक्ष से भी दिखाई देने लगी। अब खबर तो यहां तक है कि स्मॉग यानी जहरीले धुएं से पैदा होने वाले इस प्रदूषण को कम करने के लिए वहां लॉकडाउन लगाने तक की योजना बन रही है।

सवाल यह है कि गत लगभग 2 दशक से निरंतर प्रदूषित होते जा रहे इस जहरीले धुएं युक्त वातावरण और अनेक माध्यमों से इनसे होने वाले आर्थिक नुक्सान व स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं के लिये जिम्मेदार कौन है। सर्दियों की शुरुआत में हमेशा टी वी व अखबारों में यह सुर्खियां बनती हैं कि प्रदूषण का स्तर क्या है। विशेषज्ञों के अनुसार स्वच्छ हवा वाले वातावरण के लिये 50 तक ।फप् होना चाहिये। 50 से कम ।फप् (एयर क्वालिटी इंडेक्स) स्वास्थ्य के लिये ठीक रहता है। जबकि दिल्ली राजधानी क्षेत्र (एन सी आर) से लेकर केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ तक का एयर क्वालिटी इंडेक्स पिछले दिनों 500 के करीब पहुँच गया। सरकार से लेकर जनता तक इस अति प्रदूषित वातावरण से निजात पाने के लिये केवल प्रकृति के भरोसे बैठी हुई है कि या तो बारिश हो तो इस जहरीली हवा से निजात मिले या फिर तेज हवा इस वातावरण से निजात दिलाये। जबकि प्रदूषण से त्राहि त्राहि करती यही जनता या जनता द्वारा चुनी उसकी सरकार इस समस्या से निपटने का कोई भी कारगर उपाय ढूंढ नहीं पाती।

कभी स्कूल्स में छुट्टी कर,कभी निर्माण कार्य रूकवाकर तो कभी सम–विषम नंबर के अनुसार वाहन चलने का निर्देश देकर ऐसी समस्याओं से निजात के उपाय तलाशे जाते हैं। जबकि प्रदूषण फैलाने के जिम्मेदार वाहनों की संख्या प्रतिदिन लाखों की तादाद में बढ़ती जा रही है। उद्योगों से प्रदूषित धुआं निरंतर निकलता रहता है। पूरे देश की सड़कें धुल मिटटी से पटी पड़ी हैं। खेतों में फसलों के अवशेष बेरोकटोक जलाये जा रहे हैं। जगह जगह आम लोग कूड़े के ढेर में बेखौफ होकर आग लगाते हैं जिनमें रबड़,पॉलीथिन,प्लास्टिक आदि सब कुछ जलाया जाता है। इसी तरह आतिशबाजी चलाने के लिये चाहे अदालतें मना करें या सरकारें, कोई भी मानने को तैयार नहीं। बल्कि हर साल आतिशबाजी का चलन व इनकी खपत बढ़ती ही जा रही है। यदि आप दीपावली पर आतिशबाजी चलाने को लेकर श्ज्ञानश देने लगे तो समझो आप को सनातन विरोधी होने का प्रमाण पत्र तो उसी क्षण मिल जायेगा। गुरपूरव पर होने वाली आतिशबाजी पर सवाल उठाया तो दीपावली का सवाल खड़ा होगा। इसी तरह शब् बरात हो या नया साल,रोज होने वाले शादी ब्याह कोई भी आयोजन आतिशबाजी से अछूता नहीं है। और जाहिर है ऐसी आतिशबाजीयों का एक ही परिणाम है, जहरीला धुआं,जान लेवा प्रदूषण,स्मॉग यानी जहरीले धुयें युक्त कोहरे की चादर और अंततः बदलता मौसम व ग्लोबल वार्मिंग।

जिसतरह बारिश के दिनों में शहरों में समुचित जल निकासी का प्रबंध न होने के चलते शहरों व कस्बों में बाढ़ जैसी स्थिति बन जाती है और इससे संबंधित खबरें लेख व परिचर्चाएं वर्षा ऋतू के दौरान पढ़ने सुनने को मिलती हैं। परन्तु बारिश खत्म होते ही जनता व सरकार सभी हाथ पर हाथ रखकर बैठ जाते हैं और अगले साल की बारिश व इससे होने वाली तबाही की प्रतीक्षा करने लगते हैं। ठीक उसी तरह हर साल दीपावली के बाद और सर्दियों के आगाज में हर वर्ष यही प्रदूषण व जहरीले धुएं की चर्चा सुर्खियों में आ जाती है। इस विषय को लेकर हमारे समाज की जागरूकता व समझ का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि न तो कोई अतिशबाजियों से परहेज के लिए तैयार है न ही यह मानने के लिये तैयार है कि पराली या खेतों में फसलों के अवशेष जलने से प्रदूषण फैलता है। धनाढ्य या नव धनाढ्य लोग मात्र एक सवारी के साथ सड़कों पर कारें दौड़ाते फिरते हैं। सड़कों पर बे रोकटोक धुंआ करना तो गोया लोगों के मौलिक अधिकारों में शामिल हो गया है। यहाँ तक कि रोजाना कई जगह खुद नगर पालिका के कर्मचारी झाड़ू देने के बाद जगह जगह इकठ्ठा किये गये कूड़े के ढेर में अपने ही हाथों से माचिस लगा देते हैं। गोया पढ़ा लिखा हो या अनपढ़,गरीब हो या अमीर,वैश्विक स्तर पर प्रदूषण बढ़ने के लिये सभी जिम्मेदार हैं। इसलिये भले ही सतही उपाय कितने ही क्यों न कर लिये जाएँ परन्तु हकीकत तो यही है कि 'स्मॉग प्रदूषण ' अब एक लाईलाज संकट बन चुका है।

श्री रामलला हनुमानगढ़ी दर्शन पूजन के बाद, मुख्यमंत्री ने श्री राजगोपुरम का किए अनावरण

अब हमें समाज को कमजोर नहीं होने देना है –योगी आदित्यनाथ
समाज की एकता के कारण 500 वर्षों का संकल्प पूरा हुआ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार 20 नवंबर को एक बार पुनः अयोध्या पहुंचे राम कथा पार्क पर भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने स्वागत किया वहां से वह सीधे हनुमानगढ़ी पहुंचे, हनुमान जी महाराज के दर्शन पूजन के उपरांत श्री राम जन्मभूमि पहुंचकर रामलला के दर्शन पूजन किया और दर्शन पूजन के उपरांत श्री सुग्रीव किला पहुंचकर,अनन्त श्री विभूषित श्रीमज्जगद्गुरु रामानुजाचार्य श्री स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य जी महाराज के आशीर्वाद से श्रीमज्जगद्गुरुरामानुजाचार्य श्री स्वामी श्रीविश्वेशप्रपन्नाचार्य जी महाराज द्वारा स्थापित श्री राजगोपुरम का अनावरण किया। श्रीमद् परमहंस श्रीरंगम श्रीमद् आण्डवन श्रीवराहमहादेशिकन जी महाराज स्वस्तिवाचन किया और श्री सुग्रीव किला के उत्तराधिकारी स्वामी अनन्त पद्मनाभाचार्य महराज मुख्यमंत्री समेत सभी अतिथियों का स्वागत सत्कार किया।

श्री राजगोपुरम अनावरण के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सुग्रीव किला त्रेता युग से भगवान राम से जुड़ा है और भगवान श्री राम ने वनवास से लौट के बाद इसे सुग्रीव को दिया था और यह स्थान देवरहा बाबा से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि पहले हम आते थे तो सकरा रास्ता था अब दोनों तरफ से चौड़ा रास्ता हो गया है यहां आने में अब कोई परेशानी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि हम सब का जो 500 वर्षों का संकल्प था वह समाज की एकता के कारण जब एक विचारधारा की सरकार पूरे देश में बनी तो प्रधानमंत्री के नेतृत्व में दो वर्षों में पूरा हो गया। उन्होंने कहा कि इस कार्य के लिए लाखों लोगों का बलिदान हुआ है हमारी कई पीढ़ियां इस महान कार्य को नहीं देख पाई इसका कारण है कि कहीं ना कहीं हम कमजोर थे और अब पुनः हमें वह स्थिति नहीं आने देनी है।

उन्होंने कहा कि कुछ मुट्ठी भर लोगों ने हमें कई वर्षों तक गुलाम बना रखा था कई पीढ़ियां गुलामी का दंश सहकर समाप्त हो गई, इसमें हमारी ही कमजोरी थी हमें अब अपने समाज को कमजोर नहीं होने देना है। उन्होंने कहा कि हमें हमारे समाज में जो कमजोरी है उसे नासूर बनने के पहले समाप्त करना होगा तभी हम सशक्त रहेंगे हमारा सनातन धर्म सशक्त रहेगा और जो लोग आस लगाए बैठे हैं उसको पूरा नहीं होने देना है। उन्होंने कहा कि अयोध्या का चौमुखी विकास हो रहा है अब अयोध्या वासियों का भी कर्तव्य है कि सुरक्षित और संरक्षित रखें। उन्होंने कहा कि जैसे श्रीविश्वेशप्रपन्नाचार्य सुग्रीव किला पर श्री राजगोपुरम की स्थापना करके अयोध्या के संस्कृति को संरक्षित किया है वैसे सभी संतो महंतों आगे आना होगा और इसमें सरकार भी सब की सहायता करेगी उन्होंने एक बार पुनः सभी का आभार व्यक्त किया। आए हुए सभी अतिथियों का सुग्रीव किला पीठाधीश्वर जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्रीविश्वेशप्रपन्नाचार्य महाराज ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर श्रीमद् जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी अनंताचार्य ज,गतगुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामदिनेशाचार्य, हनुमानगढ़ी के महंत धर्मदास, महापौर गिरीशपति त्रिपाठी सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

पोखरी में डूबने से दो मासूमों की मौत, दो गंभीर

संवाददाता–देवरिया। जिले के तरकुलवा क्षेत्र के रहने वाले दो मासूमों की पोखरी में डूबने से मौत हो गई जबकि दो की स्थिति गंभीर है। दोनों का महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। हादसे के शिकार चारो बच्चे एक ही पट्टीदारी के रहने वाले हैं।

तरकुलवा क्षेत्र के नरहरपट्टी गांव के रहने वाले एक व्यक्ति ने घर के समीप पोखरी खुदवाई है। बुधवार की शाम करीब 4 बजे गांव के ही रहने वाले धूपशरण शर्मा की ढाई साल की बेटी कृति, संजय शर्मा का चार साल का बेटा अनुभव, अनिल शर्मा की चार साल की बेटी गुड़िया और नागेंद्र शर्मा का दो साल का बेटा युवराज खेलते हुए पोखरी की तरफ चले गए। उसी दौरान चारो मासूम पोखरी में डूबने लगे। यह देख वहां मौजूद एक महिला ने शोर मचाया। महिला की चीख सुन कर पहुंचे ग्रामीणों ने चारों को पोखरी से निकाला लेकिन तब तक चारो मासूम अचेत हो चुके थे। आनन–फानन में ग्रामीण सभी को लेकर सीएचसी तरकुलवा पहुंचे जहां से चिकित्सकों ने स्थिति गंभीर देख उन्हें महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज देवरिया रेफर कर दिया। यहां पीआईसीयू में तैनात चिकित्सकों ने कृति और अनुभव को मृत घोषित कर दिया जबकि गुड़िया और युवराज का इलाज चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार उन दोनों की स्थिति भी गंभीर है।

19 दिन की बच्ची को उठाकर गन्ने के खेत में भाग गया तेंदुआ

संवाददाता–बलरामपुर। सोहेलवा वन्य जीव प्रभाव के बरहवा रेंज क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत मुजेहरा के मजरे खैरहनिया में मंगलवार की रात तेंदुआ 19 दिन की बच्ची को उठा ले गया। वन विभाग की टीम मौके पर है। हरैया थाना क्षेत्र के वेलास गांव निवासी चिवंटी प्रसाद खैरहनिया गांव के पास बगीचे में तालाब के तट पर तंबू लगाकर रहता है। आसपास के गांवों में भिक्षावृत्ति करता है। चिवंटी प्रसाद ने बताया कि मंगलवार रात करीब एक बजे वह अपनी 19 दिन की नवजात बेटी काजल तथा पत्नी गीता के साथ तंबू कनात में सोया हुआ था तभी अचानक जंगली जानवर तेंदुआ 19 दिन की बच्ची काजल को उठाकर गन्ने के खेत में भाग गया। सूचना मिलते ही रेंजर राकेश पाठक, वन्यजीव रक्षक आशीष सिंह द्वारा पहुंचकर जांच की जा रही है। उप प्रभागीय वनाधिकारी एमबी सिंह ने बताया कि घटनास्थल पर पहुंचकर जांच की गई है अभी तक तेंदुआ का कोई पग चिह्न नहीं मिला है। घटना किस जानवर ने की है इसकी जांच की जा रही है।गांव में पिंजरा और टैपिंग कैमरे लगाए जाएंगे।

अदालती नोटिस

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज जू0डि0 सदर फैजाबाद के द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
अर्न्तगत धारा 372 उत्तराधिकार अधि0
अस0प0वाद सं0–113/2024
किशमतुल निशा
बनाम
.सरकार
मृत्यु दिनांक 19/04/2018
तारीख पेशी दिनांक–04–12–2024

अपने मृतक स्व0 किसमत अली पुत्र श्री स्व0 तहब्बर अली निवासी ग्राम डीहपूरे बीरवल परगना पश्चिम राठ तहसील मिल्कीपुर जिला–अयोध्या को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये उत्तराधिकार प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये प्रार्थना–पत्र के अर्न्तगत धारा 372 अधिनियम संख्या 39 सन 1925 ई0।

चूंकि श्री निवासी ग्राम परगना तहसील जिला ने उत्तराधिकार प्रमाण–पत्र की अभिप्राप्ति के लिये आवेदन किया और 2024 के माह 12 के 04 दिवस का आवेदन की सुनवाई के लिये तिथि निश्चित की गयी है।

अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उपरोक्त आवेदन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो वह स्वयं अथवा अधिवक्ता द्वारा न्यायालय सिविल जज जू0डि0 सदर फैजाबाद के न्यायालय में दिनांक 04–12–2024 को अपरान्ह 10 बजे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा उक्त तिथि के अवसान पर किसी की कोई आपत्ति नहीं सुनी जायेगी और प्रार्थना पत्र पर यथोचित आदेश पारित कर दिया जायेगा।

आज दिनांक माह सन ई0 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित जारी किया गया।

द0 हाकिम

प्लाई एंड हार्डवेयर शोरूम में लगी आग से करोड़ों का नुकसान

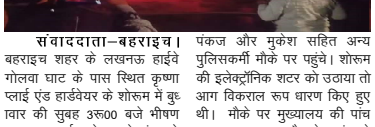

संवाददाता–बहराइच। बहराइच शहर के लखनऊ हाईवे गोलवा घाट के पास स्थित कृष्णा प्लाई एंड हार्डवेयर के शोरूम में बुधवार की सुबह 3रू00 बजे भीषण आग लग गई। शोरूम के अंदर से धुएं का गुबार उठता देख स्थानीय लोगों ने शोरूम मालिक और पुलिस को सूचना दी। मौके पर दमकल के सात वाहन शोरूम में लगी आग को बुझाने में लगे रहे। लखनऊ हाईवे गोलवा घाट के पास स्थित प्लाई एंड हार्डवेयर के शोरूम में अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई। सूचना मिलने पर शोरूम मालिक शुभांक अग्रवाल मौके पर पहुंचे। वहीं, सीएफओ, कोतवाली देहात के अपराध निरीक्षक आलोक सिंह, मुख्य आरक्षी पंकज और मुकेश सहित अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। शोरूम की इलेक्ट्रॉनिक शटर को उठाया तो आग विकराल रूप धारण किए हुए थी। मौके पर मुख्यालय की पांच दमकल, नानपारा और केसरगंज से एक–एक कुल सात दमकल वाहन आग बुझाने में लगे हुए हैं। शुभांक ने बताया आग से उनका लगभग दो करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। चार दिन पहले ही 6000 प्लाई मंगवाई थी जो जलकर खाक हो गई हैं। शोरूम आशीष और नवनीत के नाम पर है। खबर लिखे जाने तक दमकलकर्मी आग बुझाने में जुटे हुए हैं। सीएफओ गोंड विशाल रामानुज ने बताया आग किन कारणों की वजह से लगी है जांच की जा रही है।

बैंक से पैसा निलवाने के बहाने महिला का अपहरण, एक माह तक बंधक बनाकर किया दुष्कर्म

संवाददाता–श्रावस्ती। जिले के इकौना थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला का चार भाईयों ने बैंक से पैसा निकलवाने के बहाने अपहरण कर लिया। जिसे गोंडा में किसान के मकान में रख कर एक माह तक चारों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। बाद में धर्म परिवर्तन कर निकाह का दबाव बनया। शनिवार को गोंडा के सिसवरिया चौराहा पर गाड़ी से छोड़ कर फरार हो गए।

सूचना के बाद भी पुलिस की ओर से कार्रवाई न किए जाने पर बुधवार पुलिस कार्यालय पहुंचे दंपत्ति ने एसपी घनश्याम चौरसिया से शिकायत की है। एसपी को दिए शिकायती पत्र में पीड़िता ने कहा कि उसका पति दिल्ली में रह कर मजदूरी करता था। पीड़िता के 14 वर्ष का पुत्र व 9 वर्ष की एक पुत्री है। एक माह पूर्व गांव के ही यूसुफ खां ने उसे फोन कर बताया कि उसका बैंक में पैसा आया है। चलो निकलवा दें। इसके बाद यूसुफ ने अपने भाई रिजवान, इब्राहिम व हारुन के साथ चौपहिया वाहन पर बैठा कर उसे गोंडा के उतरौला ले गए। जहां कमरा न मिलने पर चारों उसे गोंडा के ही सालपुर ले गए। जहां किराए पर कमरा लेकर उसे एक माह तक बंधक बनाए रखा।

इस दौरान बारी बारी से सभी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद सभी आरोपियों ने पीड़िता से धर्म परिवर्तन कर यूसुफ खां से निकाह करने का दबाव बनाया गया। पीड़िता के न मानने पर उसके साथ सभी दुष्कर्म भी करते थे। 16 नवंबर की रात करीब 11 बजे आरोपी जान से मारने की नियत से गोंडा के ही सिसवारा चौराहा पर शिकायत करने पर जानमाल की धमकी देते हुए चौपहिया वाहन से फरार हो गए। जहां रात में वह सिसवारी निवासी एक तिवारी के मकान में रुकी। जहां से सुबह वापस घर लौटी।

शिकायत के बाद भी इकौना पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही है। ऐसे में पीड़िता ने एसपी से हस्तक्षेप कर न्याय की गुहार लगाई है। इस बारे में प्रभारी निरीक्षक इकौना अश्विनी कुमार चतुर्वेदी का कहना है कि महिला अपने मायके गोंडा से लापता हुई थी। जहां उसकी गुमशुदगी दर्ज है। जो भी कार्रवाई होनी होगी, वहीं से होगी।

सड़क हादसों में बैंक कर्मचारी समेत आठ लोग घायल

संवाददाता–श्रावस्ती। चार अलग अलग सड़क हादसों में दो बैंक कर्मचारी समेत कुल आठ लोग घायल हो गए। सभी घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया जिसमें से दो की हालत गंभीर देखते हुए रेफर कर दिया गया। एचडीएफसी बैंक इकौना में तैनात सल्स मैनेजर जनपद व थाना कोतवाली बलरामपुर देहात के ग्राम मिर्जापुर भवनियापुर निवासी प्रिंस सिंह पुत्र घनश्याम सिंह व नवीन मार्डन थाना श्रावस्ती के कटरा बाजार निवासी निश्चल श्रीवास्तव पुत्र मयंक श्रीवास्तव बुधवार सुबह बाइक से इकौना ड्यूटी करने आ रहे थे। इकौना बाइपास वीरपुर तिराहे पर अचानक बाइक के सामने ई–रिक्शे से टकरा गए। इससे गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को एम्बुलेंस से सीएचसी इकौना में भर्ती कराया गया। जहां प्रिंस की हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल बलरामपुर रेफर कर दिया गया। इसी तरह इकौना के सेमगढ़ा कोरी पुरवा निवासी अजय कुमार (30) पुत्र जिलेदार आल्टो कार से मंगलवार देर रात इकौना के आरके मिश्रा हॉस्पिटल से पत्नी को लेने आया था। पत्नी को लेकर घर जाते समय मोहनीपुर में आल्टो अनियंत्रित होकर खड़ी ट्रैक्टर ट्राली में पीछे से जा घुसी। हादसे में अजय गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को सीएचसी इकौना में भर्ती कराया गया। जहां से जिला अस्पताल बहराइच रेफर कर दिया गया। नवीन मॉर्डन थाना श्रावस्ती के ग्राम खरगौरा गनेश निवासी दिलीप कुमार पुत्र मनोहर लाल को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिसमें वह घायल हो गया। एम्बुलेंस से उसे सीएचसी इकौना में भर्ती कराया गया। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के रामपुर के पास दो बाइकों में टक्कर हो गई जिसमें एक बाइक पर सवार कथरा माफी निवासी मैकू (34) पुत्र महमूद, मंगली प्रसाद (28) पुत्र राम खेलवान व लक्ष्मी (26) तथा दूसरी बाइक पर सवार रामपुर निवासी महादेव वर्मा (40) पुत्र तुलसी वर्मा घायल हो गए। सभी घायलों को एम्बुलेंस से सीएचसी मल्हीपुर में भर्ती कराया गया।

अदालती नोटिस

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज जू0डि0 सदर फैजाबाद के द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
अर्न्तगत धारा 372 उत्तराधिकार अधि0
अस0प0वाद सं0–124/2024
रूपेश यादव
बनाम
.उत्तर प्रदेश सरकार वो हरखासोआम
मृत्यु दिनांक 26/06/2022
तारीख पेशी दिनांक–30–11–2024

अपने मृतक स्व0 जुग्गीलाल यादव पुत्र स्व0 रामजगत यादव निवासी भदोखर रामू का पूरवा तहसील सोहावल जिला–अयोध्या को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये उत्तराधिकार प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये प्रार्थना–पत्र के अर्न्तगत धारा 372 अधिनियम संख्या 39 सन 1925 ई0।

चूंकि श्री निवासी ग्राम परगना तहसील जिला ने उत्तराधिकार प्रमाण–पत्र की अभिप्राप्ति के लिये आवेदन किया और 2024 के माह 11 के 30 दिवस का आवेदन की सुनवाई के लिये तिथि निश्चित की गयी है।

अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उपरोक्त आवेदन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो वह स्वयं अथवा अधिवक्ता द्वारा न्यायालय सिविल जज जू0डि0 सदर फैजाबाद के न्यायालय में दिनांक 30–11–2024 को अपरान्ह 10 बजे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा उक्त तिथि के अवसान पर किसी की कोई आपत्ति नहीं सुनी जायेगी और प्रार्थना पत्र पर यथोचित आदेश पारित कर दिया जायेगा।

आज दिनांक माह सन ई0 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित जारी किया गया।

द0 हाकिम

हर्षोल्लास से मनाया गया आर्य समाज का वार्षिकोत्सव

संवाददाता–श्रावस्ती। आर्य समाज इकौना का तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। बुधवार को वार्षिकोत्सव का समापन किया गया। कार्यक्रम आचार्य पंडित योगेश दत्त आर्य ने वैदिक यज्ञ कराया जबकि गौरव खट्टर ने वैदिक यज्ञ का महत्व बताया। पंडित योगेश दत्त आर्य ने अपने भजन देख बंदे तेरी है यही बंदगी, तू किसी जीव को भी सताया न कर, भजन से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं गौरव खट्टर ने कहा कि मनुष्य स्वयं अपना ही बैरी बन गया है। जहां जन फल, फूल और हरी शाक, सब्जियां खाकर स्वस्थ दीर्घ जीवन जीते थे।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय–श्रीमान उप श्रमायुक्त महोदय अयोध्या
वाद सं. 02 /2024
सीताराम.....वादी
बनाम
नीरज चौधरी आदि.....विपक्षीगण
बनाम–1. नीरज चौधरी पुत्र मुन्नीलाल 2. श्रीमती शीला पत्नी मुन्नीलाल निवासीगण भगौतीनगर खोजनपुर पोस्ट खोजनपुर जनपद–अयोध्या
तारीख पेशी 25–11–2024

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 11 के 25 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी। द0 हाकिम

नेपाल में खपाई जा रही थी डीएपी, पकड़ा गया गोदाम सीज

संवाददाता–श्रावस्ती। सरकारी समितियों से डीएपी नदारद है। डीएपी खाद न मिलने की वजह से किसानों की गेहूं की बुवाई पिछड़ रही है जबकि भारत नेपाल सीमा क्षेत्र में खाद गोदाम पकड़ा गया जिसमें भारी मात्रा में डीएपी डम्प मिली है। डीएम व एसपी ने छापेमारी कर गोदाम को सीज करा दिया। इसके साथ ही जिला कृषि अधिकारी व अपर कृषि अधिकारी के खिलाफ निलंबन के लिए लिखा पढ़ी की गई है।

जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी व पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने बुधवार सुबह भारत नेपाल बार्डर पर स्थित उर्वरक बिकी केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विकास क्षेत्र सिरसिया के भारत नेपाल सीमा के पास स्थित ताल बघौहा बाजार में एक भवन के बेसमेन्ट में गोदाम बनाकर अनाधिकृत रूप से उर्वरक डम्प पाया गया। मौके पर पाया गया कि साहिल ट्रेडर्स के नाम से संचालित उर्वरक केन्द्र जो बेचुआ में पंजीकृत है। लेकिन बेचुआ में दुकान निरीक्षण के दौरान गोदाम निर्माणाधीन अवस्था में पाया मिला। उसी उर्वरक केन्द्र के लिए गोदाम ताल बघौहा में बनाकर डीएपी डम्प किया गया था। मौके पर पकड़े गए व्यक्ति से पूछताछ की गई तो उसकी ओर से बताया गया कि इस गोदाम से साइकिल व मोटरसाइकिल के जरिए भारत नेपाल सीमा पर स्थित रोशनपुरवा समेत अन्य मार्गों से खाद नेपाल भेजा जाता है। पकड़े गए गोदाम से गोदाम के पीछे के रास्ते से खाद की कालाबाजारी की जा रही थी। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने तत्काल मौके पर गोदाम को सील करा दिया। इस मौके पर एसडीएम निगम पीयूष जायसवाल, सीओ संतोष कुमार, उप कृषि निदेशक सुरेन्द्र चन्द्र चौधरी, जिला कृषि अधिकारी अनिल प्रसाद मिश्र, एआर को–आपरेटिव प्रेमचन्द्र प्रजापति आदि मौजूद रहे।

शासनादेश के अनुसार भारत नेपाल सीमा क्षेत्र में पांच किलोमीटर के दायरे में उर्वरक केन्द्र या गोदाम का संचालन प्रतिबंधित है। डीएम ने बताया कि भारत नेपाल बार्डर से पांच किलोमीटर अन्दर तक उर्वरक भण्डारण व बिकी प्रतिबन्धित है लेकिन पकड़ा गया गोदाम सीमा से महज कुछ ही दूरी पर स्थित है। जिसमें उर्वरक अनधिकृत रूप से भण्डारित पाया गया है। उन्होंने बताया कि प्रतिष्ठान के विरुद्ध कार्रवाई के लिए उप निदेशक कृषि को निर्देशित किया गया है। मौके पर उपस्थित उपजिलाधिकारी भिनगा की ओर से उर्वरक केन्द्र को सील करा दिया गया है तथा दुकानदार पर मुकदमा दर्ज कराया गया है। वहीं जिला कृषि अधिकारी व सहायक कृषि अधिकारी को कारण बताओ नोटिस भी जारी की गई है और निलंबन के लिए विभागीय लिखा पढ़ी की गई है।

जिले के ज्यादातर सरकारी साधन सहकारी समितियों से डीएपी खाद नदारद है। लेकिन निजी उर्वरक दुकानों पर डीएपी उपलब्ध है । दुकानदार महंगे रेट में खाद की बिक्री कर मालामाल हो रहे हैं। समितियों पर 1350 रुपये में मिलने वाली डीएपी के लिए किसानों को निजी दुकानों पर 1600 से 1800 रुपये तक भुगतान करना पड़ रहा है। अब सवाल यह है कि जब समितियों पर डीएपी नहीं है तो निजी दुकानों पर खाद कहां से उपलब्ध हो रही है। निजी दुकानों के संचालक दुकानों पर खाद न रखकर अलग अलग गोदामों में रखते हैं और चोरी छिपे लोगों को महंगे रेट में डीएपी बेंच रहे हैं। डीएपी न मिलने से गेहूं की बुवाई पिछड़ रही है। इससे किसानों में आक्रोश व्याप्त है। डीएपी न मिलने से मंगलवार को भारी संख्या में नाराज किसानों ने जमुनहा तहसील क्षेत्र के नासिरगंज नानपारा मार्ग को जाम कर दिया और धरने पर बैठ गए। इस दौरान किसानों ने जमकर हंगामा किया। सड़क पर दोनों ओर जाम लग गया और आवागमन बाधित हो गया। सूचना पर जमुनहा के नायब तहसीलदार व नासिरगंज चौकी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और किसानों को समझा बुझा कर किसी तरह से जाम हटवाया। किसानों का कहना था कि सचिव मनमानी करते हुए डीएपी का वितरण नहीं कर रहे हैं।

साधन सहकारी समिति गुजरवारा में खाद उतरता ट्रक खड़ा था जिसे देख कर किसान पहुंच गए। इसी तरह से विकास खण्ड गिलौला के साधन सहकारी समिति धुसवां में 340 बोरी डीएपी मिली थी। जिसको लेने के लिए किसानों की भीड़ लग गई। इस पर सचिव ने पुलिस की मदद से टोकन द्वारा खाद का वितरण किया। इस मौके पर हल्का लेखपाल संजय शुक्ला व सोनवा पुलिस के सिपाही मौजूद रहे। साधन सहकारी समिति कथरा माफी में डीएपी खाद का वितरण हो रहा है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0–RST/11839/2021
धारा 34 राजस्व संहिता अधि0
न्यायालय–श्रीमान नायब तहसीदार अयोध्या जिला–अयोध्या
अ0 हकीम
बनाम
रामकृष्ण आदि

1. बाबूदास पुत्र मिठाई लाल 2. राम गोपाल पुत्र मिठाई लाल निवासीगण मोहल्ला बारा बिगैसी परगना हवेली अवध तहसील सदर जिला–अयोध्या

तारीख पेशी 28–11–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 28 माह 11 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाफिक किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

विजेता क्रिकेट टीम को महाविद्यालय प्रबंधन ने सम्मानित किया

संवाददाता–महराजगंज। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर परिसर में आयोजित अंतर महाविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मैच में जवाहरलाल नेहरू पीजी कॉलेज महराजगंज की टीम विजेता रही। टीम ने महेश के बेहतरीन गेंदबाजी तीन ओवर में छह रन देकर 6 विकेट प्राप्त करने से एमएलके पीजी कॉलेज बलरामपुर की टीम को कड़े मुकाबले में तीन रनों से हराकर विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। लौटकर आने के बाद महाविद्यालय प्रबंधन ने मंगलवार को सम्मानित किया। कप्तान तीव्र प्रकाश और उप कप्तान अक्षय कुमार मिश्र, विभोर द्विवेदी, आंचल मोदनवाल, सुधांशु और रवि शास्त्री सहित तीव्र प्रकाश के बेतरीन खेल से टीम विजेता बनी। प्रबंधक डॉक्टर बलराम भट्ट, प्राचार्य डॉ अजय कुमार मिश्रा, क्रीड़ा प्रभारी अपर्णा राठी, कोच डॉक्टर शिवानंद सिंह, टीम मैनेजर शमशाद अहमद, राजीव द्विवेदी, डॉक्टर सिद्धार्थ नाथ शुक्ला की उपस्थिति में खिलाड़ियों का माल्यार्पण कर और मेडल पहनकर सम्मानित किया गया। प्रबंधक डॉक्टर बलराम भट्ट और प्रचार डॉ अजय कुमार मिश्रा ने विजेता टीम के समस्त खिलाड़ियों को महाविद्यालय की ओर से ट्रैकसूट देने की घोषणा की। कहा कि एक सप्ताह के अंदर उन्हें ट्रैकसूट देकर एक बार पुनः सम्मानित किया जाएगा। खिलाड़ियों के सम्मान के समय डॉ राणा प्रताप तिवारी, प्रोफेसर धर्मेंद्र कुमार सोनकर, डॉ राहुल कुमार सिंह, प्रोफेसर उमेश प्रसाद यादव, बीपीएड विभाग अध्यक्ष डॉक्टर शिवानंद सिंह, डा छद्दू यादव, डॉ अशोक वर्मा, डॉ पीयूष जायसवाल, गुलाबचंद, डॉ प्रवीण कुमार श्रीवास्तव, डा नंदिता मिश्रा, डॉ शेषनाथ, डॉ शांति शरण मिश्र, अकाउंटेंट श्रवण पटेल, अरुण कुमार गुप्त आदि मौजूद रहे।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0–RST/11839/2021
धारा 34 राजस्व संहिता अधि0
न्यायालय–श्रीमान नायब तहसीदार अयोध्या जिला–अयोध्या
अ0 हकीम
बनाम
रामकृष्ण आदि

1. बाबूदास पुत्र मिठाई लाल निवासीगण मोहल्ला बारा बिगैसी परगना हवेली अवध तहसील सदर जिला–अयोध्या

तारीख पेशी 28–11–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 28 माह 11 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाफिक किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

कटेहरी उपचुनावः मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में पुलिस पर लगे गंभीर आरोप, सपा सांसद ने सीओ को कहा बीजेपी एजेंट

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। जिले की कटहरी सीट पर बुधवार को उपचुनाव हुआ। पुलिस पर मुस्लिम बाहुल्य इलाकों से गंभीर आरोप की खबरें आती रहीं। सपा सांसद ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए। कटहरी में वोटिंग के दौरान मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में बुधवार को दिनभर पुलिस की ज्यादती के आरोप सामने आते रहे। कई पुरुष व महिला मतदाताओं ने वोट डालने से रोकने और वापस कर देने का आरोप खुलकर लगाया। सांसद लालजी वर्मा से लेकर पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव लगातार चुनाव आयोग से पुलिस के रवैये की शिकायत करते रहे। वोटरों के वीडियो बयान भी टैग किए जाते रहे। बुधवार सुबह मतदान की प्रक्रिया शुरू हुई तो कुछ देर बाद से ही अलनपुर, इल्तिफातगंज, व मिझौड़ा आदि मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में पुलिस द्वारा मतदान करने से रोकने की शिकायत सामने आने लगी। अलग अलग महिलाओं व पुरुषों ने वीडियो रिकार्डिंग के बीच खुलकर अपनी बात रखी। उनका कहना था कि पुलिसकर्मी वोट न देने के लिए धमका रहे हैं। गांव के बीच जाकर घरों से न निकलने देने की भी धमकी का आरोप लगाया।

शिकायतें ने सोशल मीडिया पर तूल पकड़ा तो अधिकारी भी मौके पर पहुंचते रहे। हालांकि अधिकारियों के हटते ही पुलिस कर्मियों की मनमानी फिर से शुरू हो जाने के आरोप लगने लगे। कई जगह पर मतदाताओं ने पुलिस कर्मियों का डटकर विरोध भी किया। मिझौड़ा में एकजुट हुई महिलाओं ने धरने की चेतावनी दी तब जाकर पुलिस कर्मियों का दबाव कुछ कम हुआ। सपा प्रत्याशी शोभावती वर्मा ने डीएम से मिलकर मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में पुलिस की ज्यादती की शिकायत भी की। सांसद लालजी वर्मा ने चुनाव आयोग को ट्वीट किया तो वहीं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने वोटिंग से रोकने के लिए पुलिस कर्मियों द्वारा बनाए जा रहे दबाव व अभद्र व्यवहार करने के आरोप से जुड़ा वीडियो चुनाव आयोग को टैग करते हुए कार्रवाई की मांग की।

सांसद लालजी वर्मा ने यहां अंबेडकरनगर में तैनात रह चुके दरोगा इन दिनों सुल्तानपुर जनपद के दोस्तपुर थाना प्रभारी पंडित त्रिपाठी को इल्तिफातगंज चौराहे के निकट मतदाताओं को धमकाने से बाज आने की चेतावनी दी। कहा कि आप मतदाताओं को वोट डालने से धमका रहे हैं। आप बाज नहीं आए तो मैं यहीं एक हजार लोगों को बुलाकर धरना शुरू कर दूंगा। सांसद ने थाना प्रभारी को लेकर एक अभद्र टिप्पणी भी इसी दौरान कर दी।

सांसद ने बाद में सीओ टांडा शुभम कुमार से भी मुस्लिम मतदाताओं को रोके जाने को लेकर कड़ी नाराजगी जताई। सबके सामने ही भाजपा के एजेंट के तौर पर काम करने का आरोप लगा दिया।भड़के सांसद ने कहा कि जिस तरह का रवैया पुलिस अपना रही है, वह ठीक नहीं है। यही सब करना था तो पहले ही बता देते। हम लोग चुनाव ही न लड़ते। इस तरह की मनमानी कर अब लोकतंत्र को कलंकित किया जा रहा है।

कम खरीद करने वाले केंद्र प्रभारियों पर बिफरे डीएम

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डीएम डॉ. राजा गणपति आर ने अफसरों संग धान खरीद की समीक्षा की। इसमें कम खरीद करने वाले क्रय केंद्र प्रभारियों पर नाराजगी जताई। साथ ही प्रतिदिन 10 किसानों का रजिस्ट्रेशन करने, उन्हें फोन कर केंद्र पर धान लाने के लिए प्रेरित करने का निर्देश दिया। डीएम ने प्रत्येक केंद्र प्रभारी को प्रतिदिन लक्ष्य के सापेक्ष खरीदारी करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। यदि लापरवाही हुई तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने किसानों को 48 घंटे में भुगतान कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि क्रय केंद्र प्रभारी की शिकायत मिलने पर संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्रवाई होगी।

निबंध में सांझ प्रथम, राधा रहीं द्वितीय

संवाददाता–गोरखपुर। डीएवी पीजी कॉलेज के रोवर्स–रेंजर्स के तीन दिवसीय प्रवेश प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन निबंध प्रतियोगिता व विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। निबंध में सांझ त्रिपाठी प्रथम, राधा पाण्डेय द्वितीय व श्रेया सिंह तृतीय रहीं। आदर्श सिंह, प्रियंका यादव व सौम्या शुक्ला को सांत्वना पुरस्कार मिला। लघु नाटिका मंचन में हीरालाल चौहान, गुंजन सिंह, मुस्कान कुमारी, श्रेया सिंह, सौम्या सिंह, स्मिता व अन्नू चौहान आदि की भूमिका सराहनीय रही। प्राचार्या प्रो. शैल पाण्डेय ने विद्यार्थियों को प्रेरित किया। संचालन डॉ संजय पाण्डेय व आभार ज्ञापन ट्रेनर शिवा कुमार राय ने किया। इस अवसर पर डॉ स्नेहलता त्रिपाठी, डॉ संजय मिश्र, डॉ रागिनी दीक्षित, अनुज तिवारी, राजीव चौधरी, राघवेन्द्र कुमार व विनोद सिंह आदि उपस्थित रहे।

डीएम ने किया सेंट जेवियर्स के 6 दिवसीय वार्षिक क्रीडा महोत्सव का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। बुधवार को जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने पचपेड़िया मार्ग पर स्थित सेंट जेवियर्स सीनियर सेकेन्ड्री स्कूल के 6 दिवसीय 15 वाँ वार्षिक क्रीड़ा महोत्सव का खेल का मशाल प्रज्वलित कर खेल ध्वजारोहण के साथ उद्घाटन किया। कहा कि खेल कूद शिक्षा से जुड़ा अभिन्न अंग है। खेल के क्षेत्र में अपार संभावनायें हैं। छात्रों को इस दिशा में आगे आना चाहिये। इससे जहां छात्रों का स्वास्थ्य बेहतर होगा वहीं वे प्रदेश, राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर देश का गौरव बढ़ायेंगे। उन्होंने क्रीड़ा महोत्सव के आयोजन के लिये प्रबंधक, प्रधानाचार्य के पहल को सराहा। विद्यालय प्रबंधक राजीव कुमार ने पुष्पगुच्छ और स्मृति चिह्न देकर जिलाधिकारी स्वागत किया।

खेल कार्यक्रम गणेश वंदना से प्रारंभ हुआ। चारों हाउस ने मार्च पास्ट के साथ हाउस ड्रिल का प्रदर्शन किया। बुधवार को वरिष्ठ एवं कनिष्ठ बालक– बालिकाओं की रेस प्रतियोगिता हुई, जिसमें बालक वर्ग में अशोक हाउस (एलो हाउस)

–सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ शुरू हुई खेल प्रतियोगितायें: खिलाड़ियों ने दिखाया दम

विजयी रहा। इस प्रतियोगिता में अशोक हाउस के आदित्यसिंह, कृष्णा, राज पटेल ने प्रतिभाग किया। द्वितीय स्थान पर रमन हाउस (ब्लू हाउस) रहा, जिसमें शरद, प्रिंस, शुभम, अफजल ने प्रतिभाग किया। तृतीय स्थान पर टैगार हाउस (ग्रीन हाउस) रहा, जिसमें नमन गुप्ता, स्वप्निल, धीरज यादव तथा तन्मय ने प्रतिभाग किया।

वरिष्ठ बालिका वर्ग में प्रथम स्थान पर टैगोर हाउस (ग्रीन) ने अपना परचम लहराया। जिसमें आयुषी, सोम्या, 18 स्तुति तथा रिया ने प्रतिभाग किया। द्वितीय स्थान पर शिवाजी हाउस (रेड) के विजयी रहा, जिसमें हेमलता, पल्लवी, उपासना, तथा आयुषी ने हिस्सा लिया। तृतीय स्थान पर रमन हाउस (रेड) रहा, जिसमें अपूर्वी श्रीवास्तव, अपूर्वा पाण्डेय, शिवांगी तथा साक्षी ने प्रतिभाग किया।

कनिष्ठ बालिका वर्ग रिले रेस 100 मीटर में रमन हाउस (ब्लू) ने विजय का परचम लहराया, जिसमें प्राची, अपूर्वा, गरिमा, वर्षा पटेल विजयी रहीं। द्वितीय स्थान पर टैगोर हाउस (ग्रीन) रहा जिसमें सलोनी श्वेता, शगुन, इकरा विजयी रहीं। तृतीय स्थान पर अशोक हाउस (एलो) रहा, जिसमें स्मृति, श्रेष्ठा, मरियम तथा समृद्धि ने प्रतिभाग किया। कनिष्ठ बालक वर्ग में अशोक हाउस (एलो) विजयी रहा, जिसमें अभिनव सिंह, शहबाज, अंजर तथा आर्यन ने प्रतिभाग किया। द्वितीय स्थान पर रमन हाउस (ब्लू) रहा जिसमें लवकुश, अंशुमान, देवाश तथा अर्पित ने प्रतिभाग किया। तृतीय स्थान पर टैगोर हाउस (ग्रीन) रहा जिसमें अमन, आयुष, अंशुमान, आदर्श ने प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम में प्री प्राइमरी छात्रों के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। फ्रॉग रेस बालक नर्सरी) की प्रतियोगिता में युवराज ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर तथा तृतीय स्थान पर इब्राहिम रहे। पृथ्वी नर्सरी बालिकाओं में शान्वी, प्रथम, पलक द्वितीय तथा शनाया तृतीय स्थान पर रहीं। एल० के० जी० टॉफी रेस में प्रथम स्थान पर नशरा द्वितीय स्थान पर कारोश तथा तृतीय स्थान प मान्या ने पुरस्कार प्राप्त किया। यू० के० जी० लेमन रेस में इनाया खान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया द्वितीय स्थान पर अदीप तथा तथा तृतीय पर युवराज ने जीत प्राप्त की।

क्रिकेट प्रतियोगिता विशेष आकर्षण का केन्द्र रही बुधवार को खेले गये मैच में रेड हाउस (शिवाजी हाउस) ने प्रथम हाउस विजयी रहा तथा टैगोर हाउस द्वितीय स्थान पर रहा।

कार्यक्रम में प्रबंधक राजीव कुमार उपप्रबंधक सोनी कुमारी, प्रधानाचार्य इवलिन एफ. लाल, उपस्थित रहीं। हाउस वार्डन, निर्मला शुक्ला, कंचन शुक्ला, गरिमा सिंह, देवेश प्रताप सिंह, मधुबाला श्रीवास्तव, रानू श्रीवास्तव, मंडलेश के साथ ही विद्यालय परिवार के लोगों ने योगदान दिया।

धनाभाव के चलते घायल का नहीं हो पा रहा उपचार

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के धनघटा तहसील क्षेत्र के बकौली कला निवासी एक ठेला चालक मार्ग दुर्घटना में सात वर्ष पूर्व गंभीर रूप से घायल हो गया था। जब तक उसके पास पैसा था उपचार करवाया लेकिन अब धनाभाव के चलते उसका उपचार नहीं हो पा रहा है। जिसके कारण वह जिंदगी मौत से जूझ रहा है तो वहीं उसके तीन बच्चे दाने–दाने को मोहताज हो गए हैं। तहसील क्षेत्र के बकौली कला निवासी राजू पुत्र शिव कुमार ठेला चलाने का काम करता था। 7 वर्ष पूर्व धनघटा से सीमेंट लाद कर उमरिया की तरफ जा रहा था। फत्तेपुर के पास पहुंचा ही था कि एक अज्ञात वाहन ने उसे ठोकर मार दिया जिससे उसका ठेला पलट गया और हैंडल उसके पेट में घुस गया। वह गंभीर रूप से घायल हो गया आसपास के लोग उसे हैसर पहुंचाए लेकिन गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल के लिए भेज दिया गया जिला अस्पताल से मेडिकल कॉलेज गोरखपुर के लिए रेफर कर दिया गया। जहां कुछ दिन उपचार तो उसका हुआ लेकिन डॉक्टरों ने उसकी आंत को काटकर बाहर निकाल दिया धनाभाव के चलते अब 7 वर्ष से वह जिंदगी–मौत से जूझ रहा है। पाइप के रास्ते वह शौच कर रहा है उसका कहना है कि उसके तीन बच्चे हैं जो छोटे–छोटे हैं।

मिट्टी लेकर जा रही डंपर की टक्कर से युवक की मौत, हंगामा कर जाम लगाया

संवाददाता–गोरखपुर। चौरीचौरा थानाक्षेत्र के ग्राम लक्ष्मणपुर के अलाउद्दीन टोला में मंगलवार की रात में अवैध खनन की मिट्टी ले जा रही डंपर से इसी गांव के रामपाल (36) पुत्र नंदलाल की ठोकर लगने से मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि डंपर मालिक ने परिजनों को सूचना नही दिया और उसे उपचार के लिए सीएचसी चौरीचौरा पर ले गया। बुधवार की सुबह आठ बजे सीएचसी चौरीचौरा से मृतक रामपाल प्रजापति का शव को टेम्पो में रखकर पीएम के लिए हल्का दरोगा राहुल राव ले जाने का प्रयास कर थे। तभी परिजन व ग्रामीणों ने जेसीबी व डंपर को पकड़ कर थाने लाकर कार्रवाई की मांग की और शव को रोक दिया। इसके शव टैंपो से चौरीचौरा थाना गेट पर आ गया।

इसके बाद ग्रामीण व परिजन पुलिस पर मिट्टी की खनन कर रहे धंधेबाज को बचाने व जेसीबी व डंपर को पकड़ पर थाना पर जानबूझ कर न लाने का आरोप लगा रहे थे। इंस्पेक्टर राहुल शुक्ला ने ग्रामीणों को शव को पोस्टमार्टम में भेजने व दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का आश्वासन दे रहे थे। लेकिन ग्रामीणो का आरोप था कि पुलिस ने जेसीबी व डंपर व गाड़ी चला रहे चालक को गिरफ्तार नहीं किया। कार्रवाई की मांग को लेकर सड़क पर हंगामा कर रहे लोगों समझाने बुझाने में पुलिस का पसीना छूटने लगा। टैंपो को लेकर ग्रामीणों ने चौरीचौरा थाना गेट के सामने सड़क पर दो घंटे तक हंगामा किया। मृतक की पत्नी अशर्फी देवी ने खनन कारोबारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग किया।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि रामशंकर उर्फ शंकर निवासी ग्राम– मकदूमपुर, पोस्ट– बानपुर, थाना– लालगंज जनपद बस्ती के निवासी हैं। विगत बीसों वर्षों से घर से लापता हो गये हैं। काफी खोजबीन के बाद कहीं इनका पता नहीं चला। यदि किसी को जानकारी मिले तो कृपया निम्न पते पर सूचित करें। अमित कुमार पुत्र रामशंकर उर्फ शंकर साकिन मकदूमपुर, बानपुर, बस्ती, मोबाइल नम्बर 9795261745

डुमरी खास में अवैध प्लाटिंग पर चला बुलडोजर

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर विकास प्राधिकरण ने बुधवार को थाना चौरीचौरा के डुमरी खास में अवैध प्लाटिंग पर बुलडोजर चलाया। यहां राम गोपाल यादव

और रंजीत जयसवाल द्वारा 2.50 एकड़ में कॉलोनी काटी जा रही थी। प्राधिकरण उपाध्यक्ष आनंद वर्द्धन को मिली शिकायत के उपरांत यह कार्रवाई की गई।

प्राधिकरण के प्रभारी मुख्य अभियंता किशन सिंह, अधिशासी अभियंता नरेंद्र कुमार, सहायक अभियंता राज बहादुर सिंह, विनोद कुमार शर्मा, कुमारी ज्योति राय, अवर अभियंता रमापति वर्मा, मनीष त्रिपाठी, डीएन शुक्ला, सुनील कुमार शर्मा और प्रभात निषाद एवं समस्त प्रवर्तन स्टॉफ इस कार्रवाई में शामिल हुआ। बकायदा पुलिस बल के साथ बिना तलपट मानचित्र को स्वीकृत कराए डुमरी खास में राम गोपाल यादव और रंजीत जायसवाल की 2.50 एकड़ की अवैध कॉलोनी में बुलडोजर चला। प्राधिकरण उपाध्यक्ष आनंद वर्द्धन ने लोगों से अपील किया है कि वे प्राधिकरण से स्वीकृत कॉलोनियों में ही निवेश करें। उन्होंने चेताया कि बिना तलपट मानचित्र कराए विकसित की जा रही प्लाटेड कॉलोनियों में आगे भी ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।

संदिग्ध हालात में पेड़ से लटकती मिली वृद्ध की लाश

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। टांडा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पुंथर के फुटहिया मस्जिद के निकट बुधवार की सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में आम के पेड़ से एक वृद्ध की लटकती लाश पाए जाने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आजमगढ़ जनपद के लक्षिरामपुर गांव के मूल निवासी रमेश चन्द्र उपाध्याय (60) लगभग 25 वर्षों से अपने परिवार के साथ पुंथर गांव के फुटहिया मस्जिद के बगल स्थित मकान में रहते थे। बुधवार को भोर में रमेश चंद्र उपाध्याय का शव उनके घर के सामने सड़क के किनारे स्थित आम के पेड़ से संदिग्ध परिस्थितियों में गमछे से लटकती मिली। शव मिलते ही मौके पर आस पास के लोगों का ताता लग गया। परिवार के लोगों ने बताया कि वह गाड़ी चलाता था। लगभग पांच वर्षों से अपने घर नहीं आया था और बुधवार को उसका शव बरामद हुआ। मृतक रमेश चन्द्र उपाध्याय की एक पुत्री व एक पुत्र है। कोतवाली टांडा के वरिष्ठ उपनिरीक्षक वेद प्रकाश ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

कराटे प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय परिसर के खिलाड़ियों का दबदबा

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या एवं संबद्ध महाविद्यालयों की दो दिवसीय अन्तरमहाविद्यालयीय कराटे प्रतियोगिता का समारोह पूर्वक समापन हो गया। बाबा बरुआदास पीजी कॉलेज परुइया आश्रम में आयोजित प्रतियोगिता में अवध विश्वविद्यालय समेत कुल नौ महाविद्यालयों के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। पहले दिन संपन्न प्रतियोगिता में पंडित वंशराज प्रशिक्षण महाविद्यालय के अविनाश श्रीवास्तव विजेता तथा आरआर पीजी कालेज अमेठी के विनीत कुमार मौर्य उपविजेता रहे। प्रतियोगिता के दूसरे दिन महिला एवं पुरुष वर्ग के अलग–अलग भार वर्ग का फाइनल राउंड संपन्न हुआ। महिलाओं के अलग–अलग भार वर्ग में अंडर 50 किलो भार वर्ग में कोमल केएनआई सुल्तानपुर, अंडर 55 किलो, में अंकिता ग्रामोदय पीजी कॉलेज सया, अंडर 61 किलो में शिखा यादव बाबा बरुआदास पीजी कॉलेज परुइया आश्रम, अंडर 68 किलो में साक्षी सिंह बाबा बरुआदास पीजी कॉलेज परुइया आश्रम तथा 68 किलो से अधिक भार वर्ग में शिखा विश्वविद्यालय परिसर ने बाजी मारकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। पुरुषों के अलग–अलग भार वर्ग में अंडर 50 किलो में पंकज कुमार रैगर आरआर पीजी कॉलेज अमेठी, अंडर 55 किलो में लोकेश प्रधान भवदीय एजुकेशनल इंस्टीट्यूट अयोध्या, अंडर 60 किलो में हरिओम शर्मा विश्वविद्यालय परिसर, अंडर 67 किलो में विपुल शर्मा भवदीय एजुकेशनल इंस्टीट्यूट अयोध्या, अंडर 75 किलो में नीरज कुशवाहा विश्वविद्यालय परिसर, अंडर 84 किलो में अमीरचंद विश्वविद्यालय परिसर तथा 84 किलो से अधिक भार वर्ग में तरुण मिश्र संत भीखादास रामजस पीजी कॉलेज अयोध्या ने बाजी मारकर गोल्ड मेडल प्राप्त किया। सभी विजेताओं को प्राचार्य प्रो.परेश पाडेय, क्रीड़ा प्रभारी डॉ. कुलदीप सिंह, नीरज कुमार, जया त्रिपाठी एवं विश्वविद्यालय पर्यवेक्षक डॉ.केके विश्वकर्मा ने मेडल, शील्ड एवं प्रमाण–पत्र देकर पुरस्कृत किया। संयोजक एवं क्रीड़ा प्रभारी डॉ.कुलदीप सिंह ने सभी प्रतिभागियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ.सत्यप्रकाश पांडेय ने की। इस दौरान महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राएं मौजूद रहीं।

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू०डि०) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं. 28 / 2024
श्रीमती पूर्णिमा देवी –सायल
1. श्रीमती पूर्णिमा देवी उम्र लगभग 45 साल पत्नी श्री नरेन्द्र कुमार उपाध्याय स्थाई निवासिनी ग्राम उसका तप्पा हवेली परगना बस्ती पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती हाल मुकाम ग्राम–कौवाटार पोस्ट मीरगंज जिला–संतकबीरनगर

तारीख पेशी 16–12–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू०डि०) बस्ती बतारीख पेशी 16–12–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू०डि०) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं. 327 / 2024
गीता देवी –सायलान
1. गीता देवी उम्र लगभग 54 वर्ष पत्नी अमरनाथ 2. सिकन्दर उम्र लगभग 25 वर्ष 3. महेन्द्र उम्र लगभग 20 वर्ष पुत्रगण अमरनाथ 4. रूबी उम्र लगभग 19 वर्ष पुत्री अमरनाथ 5. सूबी उम्र लगभग 14 वर्ष 6. जितेन्द्र उम्र लगभग 12 वर्ष 7. रूपा उम्र लगभग 10 वर्ष नावालिग पुत्रियां / पुत्र स्व0 अमरनाथ नावालिगान बवलायत माता हकीकी बतौर संरक्षिका गीता पत्नी अमरनाथ साकिनान मौजा मलौनी गोसाई तप्पा बेलवा परगना अमोढ़ा पोस्ट शंकरपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 19–12–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू०डि०) बस्ती बतारीख पेशी 19–12–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश (आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 222 / 2023
मूलवाद सं0–75 / 2001
ग्राम पंचायत मरवटिया आदि
बनाम
श्रीमती तारा देवी (मृतक)
1. श्रीमती तारा देवी (मृतक) 1 / 1 श्रीमती दीपशिखा 1 / 2 श्रीमती दीपनिशा 1 / 3 श्रीमती दीपमणी पुत्री / पुत्र स्व0 अनन्त प्रसाद 2. अमरदीप 3. रतनदीप 4. जगदीप पुत्रगण स्व0 अनन्त प्रसाद 5. श्रीमती गुलाबा देवी (मृतक) 6. मुरारी (मृतक) 6 / 1 भास्कर 6 / 2 मधुकर 6 / 3 प्रभाकर 6 / 4 अनुराग 7. चन्द्रभान 8. इन्द्रजीत (मृतक) 8 / 1 श्रीमती कलावती पत्नी इन्दु 8 / 2 भानु बाबू 9. कृष्णदत्त (मृतक) 9 / 1 तारा देवी पत्नी कृष्णदत्त 9 / 2 अतुल कुमार 9 / 3 अमित कुमार पुत्रगण स्व0 कृष्णदत्त 9 / 4 कु0 स्वाती पुत्री कृष्णदत्त 10. संजय 11. सोहन लाल (मृतक) 11 / 1 श्री प्रभाकर उम्र लगभग 67 साल 11 / 2 शिवाजी 11 / 3 रत्नाकर 11 / 4 दिवाकर पुत्रगण सोहनलाल 11 / 5 छाया देवी मृत्यु खारिज साकिनान मुहल्ला पठान टोला पुरानी बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 09–12–2024

हरगाह मुद्दई मजकूरुसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 09 माह 12 सन 2024 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुदा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं. 112 / 2022
राधेश्याम
बनाम
प्रमोद कुमार आदि
1. प्रमोद कुमार उम्र तख्मीनन 48 साल 2. पवन कुमार उम्र तख्मीनन 41 साल 3. अजय कुमार उम्र तख्मीनन 38 साल पुत्रगण काली प्रसाद ग्राम व तप्पा –कोरऊ पोस्ट एकडंगी परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती
4. रामचन्द्र उम्र तख्मीनन 55 साल 5. चन्द्रशेखर उम्र तख्मीनन 48 साल पुत्रगण रामसहाय ग्राम व तप्पा –कोरऊ पोस्ट एकडंगी परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 18–12–2024

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्शित करने के लिये 2024 के माह 12 के 18 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 2024 के माह 11 के 20 दिवस को निकाली गयी।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0–512 / 2024
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
रामनरेश
बनाम
रिंकू चौरसिया आदि
1. रिंकू चौरसिया पुत्र रामकृष्ण चौरसिया –प्रतिवादी प्रथम वर्ग
2. पार्वती पत्नी स्व0 श्रीराम 3. लक्ष्मी प्रसाद पुत्र सरजू प्रसाद निवासीगण ग्राम मड़वानगर तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 02–01–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको 02 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के ताहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मज़कूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com